डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 वर्ष : 08 अंक : 37 मूल्यः 5 रुपए पृष्ठ : 08

शिखर दृष्टि जीवन की... साप्ताहिक समाचार पत्र

हिलव्यू समाचार

जयपुर >> सोमवार, 21 मार्च, 2022

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746 hillviewsamachar@gmail.com

अवधेश मीणा
आयुक्त, नगर निगम (हेरिटेज)

राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना करते नहीं थक रहे मेयर एवं आयुक्त नगर निगम हेरिटेज

मुनेश गुर्जर
मेयर, नगर निगम (हेरिटेज)

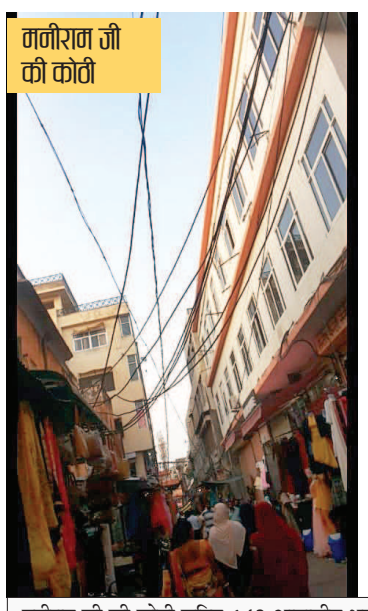

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। हिलव्यू समाचार में लगातार नाना जी की हवेली (जयपुर कॉलेज) सहित अवैध निर्माणों के मामले व ध्वस्तीकरण हेतु आदेशित कॉम्पलेक्सों की सूची प्रकाशित की जा चुकी है। इस बार सम्पूर्ण सूची पेज न.4 व 5 पर पढ़ने योग्य साइज़ में प्रकाशित की जा रही है। प्रथम व द्वितीय सूची के साथ संपूर्ण सूचना आयुक्त महोदय के कर कमलों में सौंपी गयी लेकिन आयुक्त महोदय की निष्क्रियता, तानाशाही कहीं और ही उलझी है ऐसे में हेरिटेज की ज़िम्मेदार पोस्ट पर बैठकर बचकाने जवाब देते मेयर और आयुक्त प्रशासन की गरिमा को खंडित करते हैं। सरकार व प्रशासन की लापरवाही या मिलीभगत को साबित करते हैं।

- आख़िर नगर निगम हेरिटेज आयुक्त हो मेयर या कोई भी बड़ा अधिकारी या नेता प्रतिनिधि इस मामले में हाथ क्यों नहीं डालना चाहते हैं?
- जयपुर कॉलेज (नाना जी की हवेली) से सम्बन्धित सूचनाएँ माँगने पर फाइलों का नगर निगम में ना होना भी एक बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह लगाता है।
- आख़िर जयपुर कॉलेज (नाना जी की हवेली) या राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा 143 कॉम्पलेक्सों आदेशों के मूल दस्तावेज़ कहाँ हैं और उन पर की गई कार्यवाही के मूल दस्तावेज कहाँ हैं?

स्वायत्त शासन मंत्री इस पक्ष में इतनी उदासीनता व लापरवाही क्यूँ बर्दाश्त कर रहे हैं, यह भी एक जटिल प्रश्न है। जिसका उत्तर वे स्वयं दे सकते हैं किन्तु लगातार प्रयासों के पश्चात भी इस मुद्दे पर धारीवाल से मुलाकात संभव नहीं हो सकी है और तो और ऐसा प्रतीत होता है जैसे कि वे इस मुद्दे से बचे रहना चाहते हैं और उनकी भूमिका भी इस मुद्दे में संदिग्ध है। ...शेष पेज नं. 4 व 5 पर

मनीराम जी की कोठी

जयपुर कॉलेज

मनीराम जी की कोठी सहित 143 आवासीय भवनों में व्यवसायिक कॉम्प्लेक्सों के अवैध निर्माण के विरूद्ध राज. उच्च न्यायालय जयपुर ने 18 सितम्बर 2019 को इन अवैध कॉम्प्लेक्सों ध्वस्तीकरण के आदेश जारी किये। किन्तु आज तक भी इन अवैध निर्माणों के विरूद्ध कार्यवाही नगर निगम हेरिटेज ने नहीं की है। लगातार आयुक्त महोदय के संज्ञान में यह मसला लाने के बाद भी हेरिटेज इस मैटर पर चुप्पी साधे हुए है। जो कि शासन व प्रशासन की इन भूमाफियाओं के समक्ष लाचारी का प्रतीक है।

143 अवैध कॉम्पलेक्सों की सूची पेज 4 व 5 पर

डीएलबी सिविल रिट पिटीशन संख्या 15318/2013 सूओमोटो बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान की सुनवाई के पश्चात् राज. उच्च न्यायालय द्वारा दिये गये ध्वस्तीकरण के आदेशानुसार 143 अवैध कॉम्प्लेक्सों की सूची जिनका ध्वस्तीकरण 18 सितम्बर 2019 के आधार पर एक वर्ष के भीतर किया जाना था।

खबर-बेखबर

क्या रेट (राजस्थान एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल) के अस्तित्व को नकार रहे हैं ये आईएएस अधिकारी

रेट के स्थगन आदेशों को दरकिनार कर, उन आदेशों की अवमानना कर प्रशासनिक अधिकारी अवधेश मीणा आयुक्त, नगर निगम हेरिटेज एवं हृदयेश कुमार शर्मा डायरेक्टर कम स्पेशल सेक्रेटरी लोकल सेल्फ गवर्मेण्ट,राज. सरकार किस तानाशाही का सबूत दे रहे हैं? हंसा मीणा, उपायुक्त किशनपोल जोन के स्थानांतरण के मामले में रेट द्वारा दिए गए स्थगन के बावजूद उनका लगातार स्थानांरण करते जाना कोर्ट की कार्रवाई की अवमानना करना है। इस मामले पर सरकार की चुप्पी आम जनता में सरकार व प्रशासन के प्रति संदेह व असुरक्षा उत्पन्न करती है।

खबर-बेखबर

नगर निगम हेरिटेज में गृहयुद्ध चरम पर

किशनपोल महिला उपायुक्त हंसा मीणा लड़ रहीं हक़ की लड़ाई

महिला सशक्तिकरण के इस माह में जब पूरा देश ही नहीं पूरा विश्व महिला सशक्तिकरण के लिए 8 मार्च को सेलिब्रेट कर रहा है। महिलाओं को सम्मानित कर रहा है। ऐसी स्थिति में नगर निगम हेरिटेज में गृह युद्ध के दौरान एक महिला उपायुक्त लगातार प्रताड़ित हो रही है।

ग्रेटर नगर निगम में जिस तरह अफसरों और नेताओं के बीच में विवाद उठते रहे हैं। उसी तरह अब हेरिटेज में भी अफ़सरों के बीच पोस्टिंग को लेकर गृह युद्ध छिड़ गया है।

मामला रेट तक भी पहुंचा और रेट का फैसला आने के बाद यह युद्ध शीत युद्ध में बदल गया क्योंकि किशनपोल जोन उपायुक्त हंसा मीणा रेट से स्टे ले कर पुनः अपने उपायुक्त पद पर किशनपोल जोन में आप बैठीं।

इस मामले पर खोजबीन करने के दौरान संपूर्ण दस्तावेजों के साथ हिलव्यू समाचार की टीम ने पाया कि मीणा जो कि किशनपोल जॉन की उपायुक्त है और इस पद पर रहने योग्य हैं किंतु निगम कमिश्नर ने उपायुक्त को कच्ची बस्ती (आरओ) में ट्रांसफ़र कर दिया और इसके ख़िलाफ़ रेट से स्टे ले कर पुनः हंसा मीणा अपने किशनपोल जोन में आकर विराजमान हो गई हैं यह गृह युद्ध अब शीत युद्ध के रूप में लगातार जारी है। नगर निगम हेरिटेज का ये गृहयुद्ध आम जनता में क्या मैसेज दे रहा है यह विभाग को सोचने की आवश्यकता है।

इसी सम्बन्ध में अवधेश मीणा आयुक्त नगर निगम हेरिटेज एवं हंसा मीणा उपायुक्त किशनपोल जोन से से बातचीत की गई।

आयुक्त नगर निगम अवधेश मीणा से चर्चा

1. हंसा मीणा जी 2 बार प्रमोशन लेकर EO-2 लेवल पर आ गयी हैं ऐसे में उन्हें RO पद पर लगाना कैसे न्यायसंगत है?

किशनपोल जोन उपायुक्त का स्थानांतरण नियम के अनुसार ही है। किशनपोल जोन उपायुक्त का राजस्व कच्ची बस्ती किया गया है और उन्हें वहाँ ज्वाइन करना चाहिए। यह स्थानांतरण व्यक्तिगत तौर पर ना लेकर उपायुक्त (हंसा मीणा) किशनपोल जोन को प्रशासनिक कार्यवाही का पालन करना चाहिए एवं कच्ची बस्ती आरओ के पद पर जॉइनिंग दे देनी चाहिए।

2. अगर हेरिटेज में EO-2 लेवल पद नहीं है तो क्या पदासीन अधिकारी को उपायुक्त या इसके समकक्ष नहीं लगाया जाना चाहिए था ?

ऐसा कुछ नहीं है EO-2 लेवल पद नहीं है इसीलिए तो उनका स्थानान्तरण कच्ची बस्ती किया गया है।

3. अगर हंसा मीणा उपायुक्त किशनपोल जोन उपायुक्त पद के योग्य नहीं थी तो पूर्व में उन्हें यह पद क्यों दिया गया।

प्रशासनिक कार्यवाही को चैलेंज नहीं किया जा सकता।
अब इस बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता।

किशनपोल जोन उपायुक्त हंसा मीणा से चर्चा

1. आपको आरओ कच्ची बस्ती में स्थानांतरित किया गया किंतु आपने रेट से स्टे लिया है,क्यों ?

मैं इसी विभाग से हूँ और परमानेंट हूँ। मैं आरएमएस हूँ। राजस्थान मुंसिपल सर्विसेस से हूँ और मेरा लेवल -15 है मेरे रेवेन्यू ऑफिसर होने के बाद दो प्रमोशन हुए हैं अब मेरा पद लेवल EO-2 है और इस आधार पर या तो मुझे डीसी लगाया जा सकता है या फिर इसके समकक्ष पोस्ट दी जा सकती है लेकिन रेवेन्यू ऑफिसर की पोस्ट देना न्यायसंगत नहीं है और निरन्तर मेरा लेवल-13 रखना भी मेरे अधिकारों का हनन है । अतः मैंने रेट से स्टे लिया है और मैं अपने हक की लड़ाई लड़ रही हूँ।

2. आप EO-2 लेवल की अधिकारी हैं ऐसे में उपायुक्त पद पर बने रहने की चुनौती कैसे दे सकती हैं?

क्योंकि निगम में EO-2 पोस्ट नहीं है ऐसे में उपायुक्त पद मुझे दिया गया था और अब मुझे आरओ लेवल पर पुनः स्थानांतरित किया जा रहा है जो कि सरासर ग़लत है।

वर्तमान में उपायुक्त गैराज एवं उपायुक्त विद्युत के पद पर तकनीकी सेवा के अधिशाषी अभियंता लगे हुए हैं उनका बेस क्या है? APO हेरिटेज में उपायुक्त पद लगे हैं उनका बेस क्या है? व्यक्तिगत कारणों के कारण मुझे परेशान किया जा रहा है लेकिन मैं अपनी लड़ाई व्यक्तिगत नहीं प्रशासनिक मर्यादा व क़ानूनी हक़ के साथ लड़ूँगी। संजय देवल की एसबी/सिविल राइट पिटीशन न. 12819/2016 में भी यह हाईकोर्ट द्वारा निर्णय दिया गया है कि EO-2 लेवल को राजस्व अधिकारी पद पर नहीं लगाया जा सकता।

3. उपायुक्त स्टोर पर आपने जॉइनिंग क्यों नहीं दी ?

क्योंकि जिस दौरान मुझे उपायुक्त स्टोर किशनपोल लगाया गया है उस पर सुरेश कुमार चौहान 10.10.2021 से पदास्थापित हैं और अब तक आसीत है उनका स्थानांतरण नहीं किया गया है। इस प्रकार बिना मस्तिष्क प्रयोग में लिए आयुक्त हेरिटेज फैसले ले रहे हैं जो व्यक्तिगत अहम को प्रदर्शित करते हैं।

दोहरा मापदण्ड क्यों?

पूरी छानबीन व दस्तावेज़ों को आधार मानते हुए दोनों अधिकारियों से बातचीत की गई। निगम में इससे पूर्व का इतिहास रहा है कि आरओ एवं आरआई पद के अफ़सर भी उपायुक्त पद पर आसीन होते रहे हैं। ऐसे में साथ ही साथ अधिशाषी अभियंता वर्तमान में उपायुक्त पद पर आसीन हैं। फिर किशनपोल जोन उपायुक्त को ईओ-2 लेवल के प्रमोशन मिलने के बाद भी उपायुक्त पद से पुनः आरओ लेवल पर भेजना क्या व्यक्तिगत अहम नहीं दर्शाता है? जहां एक ओर स्वायत्त शासन मंत्री विधानसभा में महिलाओं के विरुद्ध अनुचित अनर्गल बयान देते हैं और फूहड़ता से हँसते हैं वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक स्तर पर भी उच्च स्तर के प्रशासनिक अधिकारी द्वारा व्यक्तिगत कारणों से एक महिला अधिकारी को अनर्गल रूप से प्रताड़ित करना इस समाज को किस स्तर तक ले जाता है? जहां एक ओर महिला सशक्तिकरण की बात की जा रही है वहीं दूसरी ओर यह दोहरा मापदण्ड क्यों?

हृदयेश कुमार शर्मा (IAS)
स्पेशल सेक्रेटरी लोकल सेल्फ गवर्मेन्ट, राज. सरकार

इस सम्बन्ध में इनके वर्जन हेतु हिलव्यू समाचार ने लगातार सम्पर्क साधने की कोशिश की और वाट्स एप पर ऑडियो मैसेज भी ड्रॉप किया लेकिन इनसे सम्पर्क नहीं हो सका।

अवधेश मीणा (IAS)
आयुक्त हेरिटेज
नगर निगम जयपुर

मैं अपने हक़ की लड़ाई लड़ रही हूँ। रेट के स्टे की अवमानना कर जो भी स्थानांतरण आदेश हुए हैं मैं उन आदेशों के ख़िलाफ़ कन्टेम्पट की कार्यवाही कर रही हूँ।
-हंसा मीणा
उपायुक्त हेरिटेज
किशनपोल जोन, जयपुर

आईएएस पद भारत का सबसे सर्वोच्च प्रशासनिक पद है। किसी भी राज्य के राजकाज का प्रतिनिधित्व आम जनता के हक़ में जिस तरह जनप्रतिनिधि के रूप में देश के मंत्री करते हैं उसी तरह सरकारी राजकाज को सही दिशा व दशा देने का व्यवस्थित कार्य करने का ज़िम्मा आईएएस पद का होता है। देश का जनप्रतिनिधि चाहे मुख्यमंत्री हो या प्रधानमंत्री संविधान के आधार पर प्रशासनसिक अधिकारी ही इनका मार्गदर्शन करते हैं। किसी विशेष क्षेत्र या विभाग का प्रशासन इन्हें सौंपा जाता है। उन्हें अपने संबंधित क्षेत्रों के विकास के लिए प्रस्ताव बनाने व सरकारी नीतियों को लागू करने के साथ-साथ महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए कार्यकारी शक्तियां दी जाती हैं।

किसी भी आईएएस अधिकारी के लिए सबसे बड़ा पद होता है कैबिनेट सेक्रेटरी। यानी यूपीएससी के एग्जाम में अच्छी रैंक प्राप्त कर यदि कोई आईएएस बनता है तो अधिकतम उसे कैबिनेट सेक्रेटरी तक बनाया जा सकता है।

इस विवरण का संक्षिप्त कथन यह है कि देश या राज्य की छवि का महत्वपूर्ण चेहरा केवल सरकार में बैठे राजनेता ही नहीं बल्कि विभागों में बैठे आईएएस अफसर भी होते हैं जो अपनी कार्यप्रणाली, कार्यनीति, मानसिक क्षमता, निजी छवि व अपने व्यक्तित्व से सरकार की रीति, नीति व छवि को जनता के सामने स्थापित करते हैं।

ऐसे में राजस्थान की इन्हीं टॉप पोजिशन पर बैठे हृदयेश कुमार शर्मा डायरेक्टर कम स्पेशल सेक्रेटरी लोकल सेल्फ गवर्मेन्ट,राजस्थान सरकार व अवधेश मीणा आयुक्त हेरिटेज नगर निगम जयपुर लगातार आईएएस पद की गरिमा को ठेस पहुँचा रहे हैं। इस पद की मर्यादा व गरिमा अपनी कुर्सी से उठकर जनता के बीच चौराहे पर आ गई है। जी हाँ ! हम बात कर रहे हैं हंसा मीणा उपायुक्त किशनपोल ज़ोन के मसले के बारे में जो कि लगातार अवधेश मीणा के अहम के कारण तूल पकड़ता जा रहा है। रेट यानी राजस्थान एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल द्वारा दिए गए स्टे को दरकिनार करते हुए उसकी अवमानना करते हुए लगातार हंसा मीणा का स्थानांतरण करना इन आईएएस अफसरों की तानाशाही व जंगलराज को दर्शाता है। महिलाओं के प्रति असंवेदनशीलता को प्रकट करता है। अधीनस्थ अधिकारी के हक़ों का हनन करने का अधिकार उच्चस्थ अधिकारी को संविधान ने कभी नहीं दिया। फरवरी से हेरिटेज के आयुक्त महोदय की प्राथमिकता पर उनका अहम आ गया है जिसके चलते न हेरिटेज मुख्यालय पर वे कार्यों को अंज़ाम दे रहे हैं न ही किशनपोल जोन में उपायुक्त हंसा मीणा को कार्य करने दे रहे हैं। इस गृहयुद्ध के कारण फरवरी से किशनपोल जोन में एक पट्टा जारी नहीं किया जा सका है। जो कि सरकारी तंत्र के मुँह पर तमाचा है।

हंसा मीणा केस पर एक नज़र

- निजी अहम के चलते अवधेश मीणा उपायुक्त नगर निगम(हेरिटेज) ने उपायुक्त किशनपोल जोन हंसा मीणा को उसी जोन में उपायुक्त स्टोर, किशनपोल पद पर जॉइन करने का आदेश 4.2.2022 को जारी किया। किंतु आनन-फ़ानन में निजी द्वेषता के चलते जिस पोस्ट पर हंसा मीणा का स्थानांतरण हुआ वहाँ सुरेश कुमार चौहान पदस्थापित थे इस प्रकार बिना मस्तिष्क का प्रयोग किये अवधेश मीणा आईएएस अफसर ने भारी त्रुटि कर दी।
- हंसा मीणा 4 फरवरी 2022 से ही इस मानसिक अवसाद में मेडिकल लीव पर चली गईं और जिस पर वे 1 मार्च पर मेडिकल लीव पर रहीं। इस आधार पर वे रेट से 28 फरवरी 2022 को स्टे ले आईं। जिसमें साफ़-साफ़ लिखा गया कि हंसा मीणा को उनके ही जोन में यथा स्थिति पद पर रखा जाए।
- रेट के द्वारा दिये गए अधिकारों के आधार पर हंसा मीणा पुनः अपने पद पर आ गईं जिसका स्थगन आदेश 28.2.2022 को ही हेरिटेज मुख्यालय को प्राप्त हो गया था।
- रेट के स्टे की धज्जियाँ उड़ाते हुए इस बचकाने और मनमाने अफ़सर ने बिना सोचे समझे अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए हंसा मीणा का ट्रांसफर 2.3.22 आरओ कच्ची बस्ती कर दिया जिसे डिस्पेज़ को 2.3.22 को दर्शाया गया।
- हंसा मीणा के पुनः जॉइन करते ही उन्हें आरओ कच्ची बस्ती लगा दिया गया जो कि न्याय संगत नहीं था EO-2 लेवल के अधिकारी को यह पोस्ट नहीं दी जा सकती और हंसा मीणा 6.10.2021 को स्वायत्त शासन विभाग के आदेशानुसार EO-2 लेवल के प्रमोशन पर आ गयी थीं। संजय देवल S.B. Civil Writ Petition No. 12819 / 2016 की रीट को आधार बनाते हुए हंसा मीणा पुनः हाईकोर्ट से स्टे ले आईं और स्थानांतरण स्थगित करवा लिया साथ ही यथा स्थिति किशनपोल जोन में उपायुक्त बने रहने का भी आदेश हाईकोर्ट ने दिया।
- अवधेश मीणा आयुक्त नगर निगम हेरिटेज पर कंटेम्प्ट की कार्यवाही की शुरुआत करते हुए हंसा मीणा उपायुक्त किशनपोल जोन अपना कार्य करती रहीं।
- इसी बीच 11 मार्च को पुनः रेट के स्टे की धज्जियाँ उड़ाते हुए आईएएस हृदयेश कुमार शर्मा डायरेक्टर कम स्पेशल सेक्रेटरी लोकल सेल्फ गवर्मेन्ट,राजस्थान सरकार ने हंसा मीणा उपायुक्त किशनपोल जोन का स्थानांतरण नगर परिषद दौसा सचिव पद पर कर दिया।
- इस मानसिक अवसाद के चलते 14 मार्च को हंसा मीणा ने हस्तलिखित पत्र की कॉपी विभाग को मेल की। जिसमें उन्होंने अवधेश मीणा, मुनेश गुर्जर, हृदयेश शर्मा एवं संयुक्त सचिव स्वायत्त शासन विभाग को स्वयं के साथ होने वाली घटना, दुर्घटना, हत्या व आत्महत्या का जिम्मेदार ठहराया।

यह स्थानांतरण का बचकाना खेल कोई और नहीं देश के दो आईएएस अफसर खेल रहे हैं।

स्वायत्त शासन मंत्री, यूडीएच मंत्री शांति धारिवाल के सामने दो प्रशासनिक अधिकारी सरकार की रीति नीति की छवि धूमिल कर रहे हैं और सरकार चुप हैं क्यों?

किसी भी तरह का सरकारी दबाव न होना और इन आईएएस अफ़सर की यह तानाशाही प्रवृति सरकार के किस कार्य प्रणाली को दर्शाती है यह सोचने का विषय है।

सरकारी आँगन में बेटियों के हक़ सुरक्षित नहीं ऐसे में देश की बेटियों की रक्षा कहाँ सम्भव होगी? घर में ही महिलाएं प्रताड़ित हो रही हैं तो देश का ज़िम्मा सरकार कैसे सँभाल सकती है।

क्या उपायुक्त हंसा मीणा के शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना का जवाब, समय की बर्बादी का जवाब,हक़ की लड़ाई लड़ते हुए बहाई हुई राशि का पुनर्भरण सरकार दे सकती हैं?

यदि नहीं तो क्या सरकारी तंत्र की लचरता और तानाशाही जनता को यूँहीं छलती रहेगी। महिला सशक्तिकरण पर बनी योजनायें क्या महज़ छलावा हैं?

राजस्थान में भव्यता के साथ दिखा चार राज्यों की जीत जश्न

बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां सहित कई बड़े पदाधिकारी चार राज्यों में जीत के जश्न में मुख्यालय बीजेपी कार्यालय में एकत्रित हुए। होली से पूर्व जीत की खुशी में होली खेली गई और भव्यता के साथ जीत का जश्न मनाया गया। जेसीबी के शीर्ष पर चढ़कर शहर में जीत का जुलूस निकाला गया।

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पांच राज्यों यूपी, पंजाब, गोवा, मणिपुर व उत्तराखंड के परिणामों में चार राज्यों में बीजेपी ने अपना परचम लहराया और इस सफलता की हवाएँ राजस्थान में जोर शोर से आई। 10 मार्च को बीजेपी के मुख्य कार्यालय में जमकर जश्न हुआ। प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियाँ सहित बीजेपी के कई बड़े पदाधिकारी इस जश्न में शामिल हुए। बीजेपी की महिलाओं की प्रतिनिधि बनी ग्रेटर नगर निगम की मेयर सौम्या गुर्जर जो स्वयं अपने हक़ की लड़ाई लड़कर मेयर की सीट पर दुबारा विराजमान हुई हैं। ऐसे में बीजेपी की महिलाओं से बातचीत के कुछ अंश हिलव्यू समाचार ने संजोए।

मोदी जी के नेतृत्व में देश दिनों दिन तरक्की की राह पर आगे बढ़ रहा है। विश्व स्तरीय पहचान के साथ-साथ देश का दल बल भी बढ़ा है। युवा हो या महिलाएं या बच्चे या बुजुर्ग सभी का मत मोदी जी के नेतृत्व में देश को आगे बढ़ाना है। इसीलिए पाँच में से चार राज्यों में बीजेपी का परचम लहराया है।

सौम्या गुर्जर
मेयर ग्रेटर नगर निगम

राजस्थान में प्रचण्ड बहुमत के साथ बीजेपी का आगमन होने का यह इशारा है। कांग्रेस के तानाशाही रवैये से जनता परेशान है। रीट का मामला हो या रेप के मामले या अन्य कई बड़े मुद्दे कांग्रेस हर तरह से पिछड़ रही है। राजस्थान का नेतृत्व आगामी चुनावों में बीजेपी के हाथों में ही होगा।

डॉ. मीनाक्षी शर्मा
पार्षद, वार्ड 15 ग्रेटर एवं चेयरमैन
महिला एवं बाल विकास समिति

इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं कि आगामी वक्त राजस्थान में बीजेपी का ही है। जिस तरह से देश में चार राज्यों में बीजेपी पूरे बहुमत के साथ आई है उसी तरह राजस्थान में भी भाजपा पूरे बहुमत के साथ आएगी। युवा वर्ग के लिए मोदी जी का नेतृत्व एक आदर्श कदम होगा।

कुमकुम शर्मा, पार्षद
वार्ड 79 ग्रेटर नगर निगम

प्रदेश स्तर की कॉन्फ्रेंस में वसुंधरा की अनुपस्थिति के मायने?

भारतीय जनता पार्टी के राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह के आगमन पर प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया द्वारा 9 मार्च को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गयी थी। जिसमें बीजेपी के समस्त पदाधिकारी प्रेस से रूबरू हुए। ऐसे में राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की अनुपस्थिति बीजेपी के बैनर तले राजस्थान की राजनीति में कई प्रश्न खड़े करती है। क्या आगामी चुनावों में बीजेपी का प्रतिनिधित्व या मुख्यमंत्री पद का दावेदार कोई नया चेहरा होगा? या यूँ कहें कि राजैनतिक गलियारों में हवा है कि वसुंधरा राजे केंद्र में होंगी और राज्य में ओम बिरला

अपना परचम लहरायेंगे। कुछ भी हो लेकिन प्रदेश स्तर पर होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंच पर महिला होने के नाते भी और विशेष व्यक्ति होने के बावजूद वसुंधरा राजे का न होना भी भारतीय जनता पार्टी में बड़े बदलाव की ओर इशारा करता है। एक दिन पूर्व राजे के जन्मदिन पर महिला शक्ति प्रदर्शन करना और ठीक उसी के दूसरे दिन प्रेस मुख्य वार्ता में राजे का न होना बीजेपी की शक्ल बदलने का प्रतीक लगता है। 10 मार्च चुनाव परिणाम के पश्चात हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान अरुण सिंह ने कहा कि आज देशभर में कांग्रेस का सूपड़ा साफ़ हो रहा है और राजस्थान में भी यह होना तय है। सिंह ने कहा कि अब हम पंजाब में हार के कारणों का समीक्षा करके आगे बढ़ेंगे।

सांगानेर जोन में बढ़ रहे अवैध निर्माण

संगीता मीणा (RAS)
उपायुक्त, सांगानेर जोन,
नगर निगम ग्रेटर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सांगानेर जोन में लगातार अवैध निर्माणों का सिलसिला जारी है। आवासीय भूखण्डों पर लगातार कमर्शियल कॉम्प्लेक्स खड़े होते जा रहे हैं जो कि सांगानेर जोन के लापरवाही और कहीं न कहीं मिली भगत का परिणाम है। कागज़ों की पूर्ति के लिए औपचारिक नोटिस जारी कर उपायुक्त सांगानेर जोन अपना पक्ष मज़बूत कर लेती हैं लेकिन कार्यवाही के नाम पर उनकी लापरवाही सांगानेर जोन को लगातार नुकसान दे रही है। आम नागरिक हो या ज़ागरूक नागरिक जो भी अवैध निर्माणों की सूचना लेकर निगम में जाता है वही इनकी प्रताड़ना का शिकार हो जाता है। आख़िर पूरे शहर में अवैध निर्माणों के किसी भी मामले में आयुक्त और उपायुक्तों का यह रवैया क्यों है? राजापार्क, मानसरोवर, मालवीय नगर, वैशाली नगर, शास्त्री नगर, सांगानेर या बड़ी पॉश कॉलोनियाँ शहर का कोई भी हिस्सा इस अवैध निर्माण की गिरफ्त से बचा हुआ नहीं है।

जयपुर शहर में आई अवैध निर्माणों की बाढ़ शहर के सौन्दर्य को लगातार ग्रहण लगा रही है। बिना स्वीकृति, सैट बैक नियमों का उल्लंघन, आवासीय क्षेत्र में व्यवसायिक निर्माण लगातार बढ़ते जा रहे हैं। यूडीएच मंत्री, सचिव, आयुक्त, उपायुक्त, संबंधित कर्मचारी का समूह यह सब होते हुए ख़मोशी से या समझौते से या सहमति से देख रहा है।

91/6 प्रताप नगर, सांगानेर

91/9 प्रताप नगर, सांगानेर

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

02

जयपुर ≫ सोमवार, 21 मार्च, 2022

संपादकीय

निहित स्वार्थों वाले इकोसिस्टम की अंधविरोध वाली प्रवृत्ति स्वस्थ लोकतंत्र, राष्ट्रीय अस्मिता और संप्रभुता के लिए बड़ी चुनौती बन रही है

पिछले दिनों पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजे आए। इन चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को अपेक्षा से अधिक सफलता मिली है। उसने पांच में से चार राज्यों में जीत हासिल की। चुनाव नतीजों के अगले दिन निर्देशक विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' भी सिनेमाघरों में आई। इस फिल्म को देखने के लिए पूरे देश में अपार जनसमूह उमड़ रहा है। विधानसभा चुनाव के नतीजों और 'द कश्मीर फाइल्स' में कोई परस्पर संबंध न होते हुए भी एक बात समान है और वह है दोनों पर एक खास वर्ग की नकारात्मक प्रतिक्रिया। इस प्रतिक्रिया में दुराग्रह से भरा समान राजनीतिक स्वर था। स्वयंभू और स्वघोषित बुद्धिजीवियों के इस वर्ग ने जहां पूरी तरह तथ्यों पर आधारित 'द कश्मीर फाइल्स' को प्रोपेगेंडा फिल्म करार दिया, वहीं करोड़ों लोगों की जनतांत्रिक अभिव्यक्ति के फलस्वरूप आए चुनावी नतीजों को निराशाजनक एवं भारत की आत्मा पर चोट बता दिया। किसी ने इन चुनाव नतीजों को नफरत और सांप्रदायिकता की जीत बताया तो किसी ने भाजपा की कुटिल रणनीति की सफलता। उत्तर प्रदेश में जिन्ना के आह्वान से शुरू हुए चुनाव प्रचार में मतदाताओं को खुलेआम दी गई धमकियों द्वारा सांप्रदायिकता और नफरत का जहर किसने परोसा, यह सभी ने देखा, परंतु इस वर्ग का तथ्य और सत्य से कोई सरोकार नहीं है। दरअसल स्वभाव से वामपंथी और कांग्रेस पार्टी की दशकों लंबी सत्ता द्वारा पोषित वर्ग ने विश्वविद्यालय हों या मीडिया, बालीवुड हो या नौकरशाही, एक ऐसे समूह का निर्माण किया है, जिसकी स्वार्थ सिद्धि के लिए पुरानी व्यवस्था ही अनुकूल बनती है। इस समूह को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से चिढ़ है। नेहरूवाद में रचे बसे इस वर्ग के लिए भाजपा प्रतिद्वंद्वी से कहीं बढ़कर एक दुश्मन है। इस प्रभावशाली और संगठित समूह ने एक ऐसे व्यापक तंत्र का निर्माण किया है, जो पुराने राजनीतिक और वैचारिक आधिपत्य के लिए बेहतरीन तालमेल के साथ दिनरात एक इकोसिस्टम की तरह काम करता है। इस इकोसिस्टम की तत्परता और सक्रियता अचंभित करने वाली है। चुनाव नतीजे हों या किसी विधेयक की तैयारी या इन्हें रास न आने वाली अन्य कोई पहल, इस इकोसिस्टम के पास अपने कुतर्क के प्रसार के लिए देश-विदेश तक सैकड़ों मंच पहले से तैयार रहते हैं। इस इकोसिस्टम में इस्लामी चरमपंथियों के गठजोड़ ने सड़कों पर मजहबी विरोध को दैनिक क्रिया बना दिया है। कथित पंथनिरपेक्षता और उदारवाद का छद्म वेश लिए यह तंत्र इतना गहरा और मजबूत है कि पांच-पांच वर्ष पर आने-जाने वाली सरकारों के ऊपर भी भारी पड़ता है।

संगठित या व्यग्र होना अपने आप में अपराध नहीं है, परंतु अक्सर देखा गया है कि एक खास किस्म का इकोसिस्टम अपने एजेंडे को बढ़ावा देने के लिए बेहिचक असत्य और दोगलेपन का सहारा लेता है। नागरिकता संशोधन कानून हो या कृषि कानून या राफेल विमान खरीद, इस इकोसिस्टम द्वारा झूठ को पांव देने का पुरजोर प्रयास किया गया। इसी कारण कोरोना की दूसरी लहर के दौरान नदी में शवों को बहाने के मामले में दायर की गई जनहित याचिका को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 'पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन' यानी जनहित याचिका की जगह 'पब्लिसिटी इंटरेस्ट लिटिगेशन' अर्थात प्रचार पाने वाली याचिका करार दिया। राफेल मामले में स्वयं राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगनी पड़ी, लेकिन न उनका रवैया बदला और न उनके इकोसिस्टम का। यह इकोसिस्टम नारी मुक्ति की बात और हिजाब एवं तीन तलाक का बचाव भी एक सांस में कर लेता है। यह अल्पसंख्यकों से संबंधित छोटे-बड़े अपराधों को वैश्विक समाचार बना देता है, परंतु किसी हिंदू या हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं की हत्याओं पर मौन साध लेता है। चाहे शिमोगा में हिजाब का विरोध करने पर हुई हर्ष की हत्या हो या फिर तंजावुर में मतांतरण के दबाव के चलते लावण्या की आत्महत्या, यह इकोसिस्टम इन खबरों को पूरी तरह पचा गया। लव जिहाद में भले ही हर वर्ष दर्जनों युवतियां अपनी जान गंवाती हों, मगर यह समूह इसे सिरे से नकारता रहता है। इसी प्रकार विधानसभा और पंचायत चुनावों में बंगाल में हुई भयानक हिंसा को भी इस प्रभावशाली गुट द्वारा दबा दिया गया।

केवल और केवल सत्ता परिवर्तन को ध्येय बनाकर अंधविरोध की प्रवृत्ति वाला इकोसिस्टम स्वस्थ लोकतंत्र और राष्ट्रीय अस्मिता एवं संप्रभुता के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। चुनाव पूर्व पत्रकारिता की आड़ में माहौल बनाने का प्रयास करने वाली शक्तियां मनमाफिक नतीजे न आने की स्थिति में जनता पर झांसे में आ जाने या सांप्रदायिक हो जाने के आरोप लगाकर जनमत का अपमान करती हैं। इसी प्रकार जिस समय भारत सरकार यूक्रेन से छात्रों को युद्ध जैसी विभीषिका से सुरक्षित स्वदेश लाने का प्रयास कर रही थी, तब नकारात्मक प्रचार कर राष्ट्रीय मनोबल तोडने का प्रयास जारी था। शासकीय एजेंडे पर इस समूह का असंगत प्रभाव भारी चिंता का विषय है। इस इकोसिस्टम की मंशा जनतंत्र में तटस्थ भागीदार बनना या राष्ट्रीय विमर्श को निष्पक्ष या परिपक्व बनाना न होकर भारत का भाग्यविधाता बनने की हो चली है। अपने ध्येय साधने के लिए विदेशी किरदारों से मदद इस इकोसिस्टम के लिए शर्म की बात नहीं रही है, बल्कि भारत को पश्चिम के समक्ष बार-बार कठघरे में खड़ा करना और पश्चिमी नेतृत्व से भारत के खिलाफ सख्ती की मांग अब आम हो चली है। सेंसर की तरह काम करने वाला यह शक्तिशाली तंत्र न सिर्फ मनपसंद व्यक्तियों एवं संस्थाओं पर 'प्रामाणिकता' की अपनी मुहर लगाता है, बल्कि यह भी तय करता है कि कौन से मुद्दे विमर्श का हिस्सा बनेंगे और कौन से नहीं? यही तंत्र दोषियों को उत्पीड़ित बना देता है और जनसंहार के पीड़ितों को दृष्टि पटल से ओझल कर देता है। यही कारण है कि 'द कश्मीर फाइल्स' में हुए तथ्यात्मक चित्रण ने इस वर्ग को उद्वेलित कर दिया है। देखा जाए तो यह इकोसिस्टम राज्य के भीतर एक और राज्य की तरह बर्ताव कर रहा है। इसे न तो शासकीय मर्यादाओं का लिहाज है और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थाओं की परवाह है। निहित स्वार्थ और दांव पर लगी बहुत बड़ी बाजी के चलते यह अपेक्षा करना भूल होगी कि यह समूह स्वयं अपने व्यवहार में परिवर्तन लाएगा। ऐसे में यह जिम्मेदारी नागरिकों की है कि इनके मंसूबों को सफल न होने दे।

3.3 पेटाफ्लॉप्स की सुपर कंप्यूटिंग कैपेसिटी

देश का सबसे पावरफुल सुपर कंप्यूटर तैयार

IIT रुड़की में मेड इन इंडिया पेटास्केल सुपर कंप्यूटर 'परम गंगा' (PARAM Ganga) को इंस्टॉल किया गया है. इसकी सुपरकंप्यूटिंग कैपिसिटी 1.66 PFLOPS (पेटा फ्लोटिंग-पॉइंट ऑपरेशंस प्रति सेकंड) है. 'परम गंगा' को नेशनल सुपर कंप्यूटिंग मिशन (NSM) के तहत तैयार किया गया है. यह देश का सबसे पावरफुल सुपर कंप्यूटर है, जिसमें 3.3 पेटाफ्लॉप्स की सुपर कंप्यूटिंग कैपेसिटी है.

इस सुपर कंप्यूटर का मकसद IIT रुड़की और इसके आसपास के एजुकेशन इंस्टीट्यूट की यूजर कम्युनिटी को कंप्यूटनेशनल पावर देना है. यह डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलजी (DST) और इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने मिलकर बनाया है. परम गंगा सुपर कंप्यूटर को सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (CDAC) ने तैयार किया है. IIT रुड़की ने इसके लिए CDAC के साथ एक MoU साइन किए थे. इसके जरिए सर्वर के लिए मदरबोर्ड जैसे जरूरी कॉम्पोनेंट्स को आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत तैयार किया जाएगा. IIT रुड़की, NSM के तहत डेवलप इस सुपर कंप्यूटिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल करके एडवांस्ड रिसर्च करेगा. उन्होंने परम गंगा के कई अहम कॉम्पोनेंट्स जैसे- मदरबोर्ड को भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत पहल से तैयार किया है.

सूर्य के प्रकाश से चार्ज होगा स्पीकर

iGear ने गोल्डी, एक विंटेज-शैली पोर्टेबल मल्टीफ़ंक्शनल ब्लूटूथ म्यूज़िक स्पीकर सिस्टम लांच किया है, जिसे चलते-फिरते मनोरंजन के लिए डिज़ाइन किया गया है. 1200mAh की बड़ी बैटरी के साथ, यह सीधे सूर्य के प्रकाश का उपयोग करके भी चार्ज कर सकता है. इसके अलावा, गोल्डी में एक इनबिल्ट टॉर्चर भी है, जो बाहर इस्तेमाल होने पर एक इमरजेंसी टूल गैजेट है. यह एक मजबूत ABS प्लास्टिक एनक्लोजर का उपयोग करके बनाया गया है और एक विंटेज-स्टाइल लुक का उपयोग करके डिज़ाइन किया गया है जो कंपनी के अनुसार, 50-शैली के रेडियो के रंग-रूप जैसा दिखता है. एक टेलीस्कोपिक एंटीना और एक आसान पट्टा के साथ पूरा, यह स्पीकर सिस्टम बाहरी उपयोग के लिए भी डिजाइन किया गया है. इसमें 5-वाट स्पीकर सिस्टम है और इसमें ब्लूटूथ, यूएसबी, माइक्रोएसडी, और ऑक्स-इन जैसे कनेक्टिविटी विकल्प शामिल हैं, ताकि आप अपने लगभग सभी डिवाइस के साथ गोल्डी का उपयोग कर सकें. बोर्ड पर एक 3-बैंड FM/AM/SW रेडियो भी है, जिससे आप समाचार और संगीत के लिए स्थानीय स्थलीय रेडियो स्टेशन में ट्यून कर सकते हैं. 1200mAh की रिचार्जेबल बैटरी है जिसे किसी भी पारंपरिक माइक्रो USB चार्जर का उपयोग करके चार्ज किया जा सकता है.

हवा में उड़ने वाला बल्ब

हाल ही में Floating Wireless LED Bulb डेस्क लैंप लांच किया गया है. इसे आप जैसे ही ऑन करेंगे, ये हवा में तैरने लगता है. इस बल्ब के साथ एक बेस भी दिया जाता है, जिसमें तार लगा होता है. इस बल्ब को जैसे ही आप पावर से कनेक्ट करके ऑन करेंगे, ये मैग्नेट की मदद से, बेस से थोड़ा ऊपर, बिना किसी सपोर्ट के हवा में जलेगा.

एप्लीकेशन 'फ्लर्ट'

वर्चुअल दुनिया में मिल सकेंगे लोग

नई एप्लीकेशन 'फ्लर्ट' सोशल नेटवर्किंग मेटावर्स तकनीक पर आधारित होगी. लोग आपस में वर्चुअल दुनिया में मिल सकेंगे. यह क्रिप्टोकरेंसी पर आधारित होगी. इस एप्लीकेशन का मुख्य मकसद लोगों को नेटवर्किंग के जरिये एक-दूसरे से वर्चुअल तौर पर मिलने, गेमिंग, बूट कैंप और इवेंट का मेटावर्स के जरिये नया एक्सपीरियंस उपलब्ध कराना है. इससे लोगों को गेमिंग के क्षेत्र में भी नए विकल्प मिलेंगे. फ्लर्ट एप्लीकेशन न सिर्फ लोगों को मेटावर्स के जरिये आपस में जुड़ने का मौका देगी, बल्कि यह लोगों को क्रिप्टोकरेंसी टोकन कमाने का भी मौका उपलब्ध कराएगी. इस क्रिप्टोकरेंसी को देशभर के हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के आउटलेट्स में रिडीम भी किया जा सकेगा. मतलब इसके बदले आप हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में कोई भी सेवा का आनंद ले सकेंगे. फ्लर्ट एप के जरिये नए बिजनेस ब्रांड को भी प्रमोट होने में मदद मिलेगी. फ्लर्ट एप के जरिये लोग मेटावर्स की दुनिया में डेटिंग भी कर सकेंगे.

सोलर पावर्ड जेनरेटर

अब ऐसा जेनरेटर आ गया है जिसे आप अपने घर में कहीं पर भी रख सकते हैं, साथ ही साथ इसे एक जगह से उठाकर दूसरी जगह पर आसानी से ले जा सकते हैं. सबसे खास बात है कि यह सोलर पावर्ड S-150 है. इसमें हाई स्पीड कैपेसिटी बैटरी पावर मिलेगी. इसकी 42000mAh की बैटरी है, जो आपके इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट को पावर देगा. यह सिर्फ फोन, टैबलेट, लैपटॉप, रेडियो, पंखे, टीवी ही नहीं, बल्कि बड़े एप्लायंसेस भी चलाएगा. यह एक सोलर पावर जनरेटर है. यानी इसे धूप से चार्ज किया जा सकता है. इसके साथ-साथ जनरेटर में 2 वोट की एक अल्ट्रा ब्राइट एलईडी भी मिलती है, जिससे जरिए आप इसको अंधेरे में भी इस्तेमाल कर सकेंगे.

ब्लूटूथ ईयरपॉड

AMANI मार्ट ने ASP i12 TWS ईयरबड्स को लांच किया है. TWS ब्लूटूथ 5.1 कनेक्टिविटी प्रदान करता है जो तेज ट्रांसमिशन को सक्षम बनाता है. इसकी कार्य सीमा 10 मीटर तक है. यह एक्सरसाइज, काम करने या यात्रा करने जैसी डेली एक्टिविटीज के दौरान अधिक स्थिर कनेक्शन की अनुमति देता है. ये ब्लूटूथ-सक्षम ईयरपॉड आपके स्मार्टफ़ोन और टैब और पीसी जैसे अन्य बीटी उपकरणों से कनेक्ट करना आसान है. आपको बस अपने डिवाइस के सामने टॉप लिड खोलना होगा और सिंगल स्क्रीन टच से कनेक्ट करना होगा. ईयरबड 50mAh की बैटरी के साथ आता है और केस में 400mAh की इनबिल्ट बैटरी है. इसका डायनामिक साउंड सिस्टम शक्तिशाली बेस और क्रिस्प म्यूजिक क्वालिटी प्रदान करता है. डिवाइस में सहज प्लेबैक नियंत्रण के साथ वॉइस कॉल नियंत्रण के लिए स्मार्ट टच भी है. ईयरबड्स आईओएस फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करते हैं और यह धूल-पानी के प्रतिरोधी हैं.

मास्टरपीस स्मार्ट टीवी

कंपनी वू ने अपनी मास्टरपीस स्मार्ट टीवी सीरीज के तहत 3 नए स्मार्ट टीवी लांच किए हैं. तीनों टीवी 3840 x 2160 पिक्सल रेजोल्यूशन, 800 निट्स पीक ब्राइटनेस, 120 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट, 240 हर्ट्ज मोशन रेट, 10-बिट कलर डेप्थ, एमईएमसी के साथ आते हैं.

इसके अलावा, टीवी में AMD FreeSync, ALLM (ऑटो लो लेटेंसी मोड), VRR (वैरिएबल रिफ्रेश रेट), फुल-एरे लोकल डिमिंग और HDR गेमिंग के लिए सपोर्ट भी है. डिस्प्ले डॉल्बी विजन, एचडीआर10+ और एचएलजी कंटेंट को सपोर्ट करता है. तीनों टीवी 3840 x 2160 पिक्सल रेजोल्यूशन, 800 निट्स पीक ब्राइटनेस, 120 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट, 240 हर्ट्ज मोशन रेट, 10-बिट कलर डेप्थ, एमईएमसी के साथ आते हैं.

5G कनेक्टिविटी वाला आईफोन

एपल ने 2022 आईफोन SE लांच कर दिया है. इसमें 5G कनेक्टिविटी भी मिलेगी. इस फोन को A15 बायोनिक प्रोसेसर के साथ लांच किया गया है. ये प्रोसेसर आईफोन 13 सीरीज में भी मिलता है. नए आईफोन SE में 4.7-इंच रेटिना HD डिस्प्ले दिया है. फोन में 12 मेगापिक्सल का सिंगल रियर कैमरा मिलेगा. ये नए इमेज सिंगल प्रोसेसर (ISP) के साथ आता है.

कैमरा में डीप फ्यूजन, स्मार्ट HDR 4, फोटोग्राफिक स्टाइल जैसे मोड मिलते हैं. ISP फीचर से वीडियो क्वालिटी भी इम्प्रूव होगी. फेस टाइम पर वीडियो कॉलिंग के दौरान HD एक्सपीरिएंस मिलेगा. आईफोन SE के कैमरा की खास बात ये है कि जब आप किसी टेक्स्ट का फोटो क्लिक करते हैं, तब उसे टेक्स्ट में कन्वर्ट कर पाएंगे. यानी डायरेक्ट टेक्स्ट को यूज कर पाएंगे. फोन में होम बटन मिलेगा, जो टच ID सपोर्ट करता है. ये iOS 15 पर रन करेगा. फोन को IP67 रेटिंग मिली है, यानी ये वाटर रेजिस्टेंस है.

बिजली बिल हो जाएगा आधा

कुछ जरूरी टिप्स फॉलो करेंगे तो आपका बिजली का बिल 50 फीसदी तक कम हो सकता है. इसमें न आपको कंजूसी से एसी चलाना पड़ेगा और न ही गर्मी में रहना पड़ेगा. बस आपको थोड़ा सा सर्तक रहना है.

- भारत में सोलर पैनल का विकल्प सबसे अच्छा है. भारत में महीने में 30 दिन धूप पड़ती है. आप अपनी घर की छत पर सोलर पैनल लगवा सकते हैं. यह वन टाइम इंवेस्टमेंट है, लेकिन यह आपके बिजली के बिल को कम कर सकता है. आप ऑनलाइन रिसर्च कर अपने घर के मुताबिक लगवा सकते हैं.
- एलईडी लाइट से बिजली की खपत कम होती है और उजाला भी अच्छा आता है. वहीं बाकी अल्लाइंसेज भी आप 5 स्टार रेटिंग वाले लीजिए, उससे भी आपकी बिजली बचेगी.
- बल्ब और ट्यूब लाइट से सीएफएल 5 गुना तक बिजली बचाता है, ऐसे में ट्यूबलाइट की जगह सीएफएल का इस्तेमाल करें. जिस कमरे में आपको लाइट की जरूरत नहीं, उसको बंद कर दें.
- गर्मियों में एसी से ज्यादा सीलिंग और टेबल फैन का इस्तेमाल करें. यह 30 पैसे प्रति घंटे के हिसाब से खर्च होते हैं, तो वहीं एसी 10 रुपये प्रति घंटे के हिसाब से चलता है. अगर आपको एयरकंडीशन चलाना है तो 25 डिग्री पर सेव करके चलाएं. इससे भी बिजली की खपत कम होगी. साथ ही जिस कमरे में एसी चल रहा हो, वहां का दरवाजा बंद कर दें.

- फ्रिज पर माइक्रोवेव जैसी चीजें बिल्कुल न रखें. इससे बिजली की खपत ज्यादा होती है. फ्रिज को डायरेक्ट सनलाइट से दूर रखें. फ्रिज के आसपास एयरफ्लो को पर्याप्त जगह दें. गर्म खाने को भी फ्रिज में न रखें. सबसे पहले उसे ठंडा होने दें. कंप्यूटर और टीवी चलाने के बाद पावर ऑफ कर दें. मॉनीटर को स्पीड मोड में रखें. फोन और कैमरा चार्जर इस्तेमाल करने के बाद उसको प्लग से निकाल दें. प्लग इन रहने पर बिजली का ज्यादा इस्तेमाल होता है.

सबसे बड़ा डेटा सेंटर होगा तैयार

माइक्रोसॉफ्ट ने भारत में अपने नए क्लाउड डेटा सेंटर का अनाउंसमेंट किया है. इस सेंटर हैदराबाद में तैयार किया जाएगा. ये भारतीय रीजन का सबसे बड़ा डेटा सेंटर भी होगा. यहां पर क्लाउड सर्विसेज, इंटरनेट ऑफ थिंक्स, गेमिंग, सिक्योरिटी जैसी कई चीजों पर काम किया जाएगा. माइक्रोसॉफ्ट अपने नए डेटा सेंटर को 2 लाख 18 हजार (54 एकड़) स्क्वायर फीट में तैयार किया जाएगा.

रीजन में माइक्रोसॉफ्ट के 60 से ज्यादा डेटा सेंटर हैं. जो डेली 24 ट्रिलियन से ज्यादा सिक्योरिटी सिग्नल को देखते हैं. कंपनी ने 2015 में भारत में 3 डेटा सेंटर शुरू किए थे. जिसके बाद इसकी संख्या लगातार बढ़ रही है. भारत में माइक्रोसॉफ्ट के डेटा सेंटर अब दिल्ली/NCR, अहमदाबाद, कोलकाता, मुंबई, पुणे, बेंगलुरू, चेन्नई में है. वहीं, इन सभी से बड़ा डेटा सेंटर हैदराबाद में शुरू होगा. देश में 624 मिलियन इंटरनेट यूजर्स हैं. इसमें 448 मिलियन सोशल मीडिया यूजर्स हैं. 150 मिलियन ऑनलाइन कंज्यूमर हैं. भारत में दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पेमेंट सिस्टम है और यहां पर सबसे बड़ा डिजिटल आइडेंटिटी ईकोसिस्टम है.

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

03

जयपुर >> सोमवार, 21 मार्च, 2022

राजस्थान पुलिस की सुरक्षा सखियों ने सीएम के साथ किया संवाद

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जयपुर आयुक्तालय की 400 सुरक्षा सखियां राजस्थान पुलिस एकेडमी से वी सी के द्वारा मुख्यमंत्री से जुड़ी। हरमाड़ा थाना की महिला सुरक्षा सखी एवं सोडाला थाने की सुरक्षा सखी के साथ शनिवार को मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने वीडियो कांफ्रेंस से संवाद किया, जयपुर पुलिस कमिश्नर आनंद एडिशनल कमिश्नर अजयपाल लांबा, डीसीपी पश्चिम ऋचा तोमर, निर्भया टीम की एडिशनल डीसीपी सुनीता मीना भी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर महिला सुरक्षा सखी मार्गदर्शिका व संदर्शिका का विमोचन किया गया।महिला सुरक्षा सखी पूजा अग्रवाल से मुख्यमंत्री गहलोत ने संवाद किया और पूजा ने कहा कि पहले मैं डरी सहमी रहती थी लेकिन सुरक्षा सखी समूह से जुड़ने के बाद अब मेरा डर खत्म हो गया है। एक युवक ने 18 साल की एक लड़की के नाम से इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर लड़की की सहेलियों के साथ गलत चैट कर रहा था। इस पूरे मामले की जानकारी मैंने हरमाड़ा थाना में तैनात निर्भया स्क्वायड की महिला पुलिसकर्मी सुशीला और सुनीता जी को जानकारी दी। जिन्होंने तत्परता दिखाते हुए तकनीकी सहायता से फर्जी आईडी बनाकर लड़कियों से चैट करने वाले युवक को गिरफ्तार कर जेल भिजवाया।

पुलिस मुख्यालय में 10 साइबर वॉरियर्स का सम्मान

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। महानिदेशक पुलिस एम एल लाठर ने कहा है कि बदलते तकनीकी परिवेश में पुलिस कर्मियों के तकनीकी कौशल को बढ़ाने के निरन्तर प्रयासों के साथ ही आमजन को भी साइबर अपराधों के बारे में अधिक से अधिक जागरूक करने की आवश्यकता है। लाठर सोमवार को सांय पुलिस मुख्यालय में राजस्थान पुलिस तथा पुलिस निरीक्षक सज्जन कंवर, सरदार पटेल पुलिस,सुरक्षा और दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आवास फाउंडेशन के सौजन्य से आयोजित साइबर वारियर्स सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

लाठर एवं विश्विद्यालय के कुलपति डॉ आलोक त्रिपाठी ने इस अवसर पर 10 साइबर वारियर्स (पुलिस उप अधीक्षक संजय आर्य पुलिस निरीक्षक पूनम चौधरी, कॉस्टेबल रोशन कुमार, हेड कॉस्टेबल टोंक राजेश चौधरी, कॉस्टेबल अलवर तनवीर कुमार, कॉस्टेबल बीकानेर दिलीप सिंह, कॉस्टेबल चालक अभिमन्यु कुमार सिंह, कॉस्टेबल उदयपुर कुलदीप सिंह एवं कॉस्टेबल एसओजी महेंद्र कुमार) को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

लाठर ने कहा कि मोबाइल व इंटरनेट का उपयोग अब एक आवश्यकता बन चुकी है, लेकिन इनके बढ़ते उपयोग से साइबर अपराधों के साथ ही महिलाओं के प्रति अपराध भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि साइबर अपराध के बारे में आमजन को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है। साइबर वारियर्स को बधाई देते हुए उन्होंने विश्विद्यालय व आवास फाउंडेशन के द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की।

कुलपति डॉ आलोक त्रिपाठी ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा प्रदान करने व अनुसंधान कार्यों के साथ ही आमजन को जागरूक करने के बारे में प्रचार प्रसार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय में आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा साइबर सुरक्षा व अपराध के बारे में डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स प्रारम्भ किये है।

खाचरियावास होते तो ग़लतफ़हमी दूर कर देताः धारीवाल

कोटा के विकास से कुछ लोगों के पेट में दर्द, कैबिनेट में भिड़ने वाले मंत्रियों पर पलटवार

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। कैबिनेट की बैठक में मंत्रियों से भिड़ंत के बाद अब यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने प्रदेश के बाकी शहरों के विकास का पैसा काटकर सब कुछ कोटा ले जाने के आरोपों का जवाब दिया है। शहरी विकास की अनुदान मांगों के जवाब के दौरान विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी ने धारीवाल से कहा कि कैबिनेट मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास कोटा के बारे में कुछ कह रहे थे। धारीवाल ने जवाब दिया, खाचरियावास कह रहे थे, लेकिन आज वो यहां है नहीं, यहां होते तो मैं उनकी भी गलतफहमी दूर कर देता। शनिवार को कैबिनेट की बैठक में धारीवाल साथी मंत्रियों से भिड़ गए थे। खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने कहा था धारीवाल बाकी शहरों का पैसा काटकर सब कुछ कोटा ले जा रहे हैं।

कुछ लोगों को कोटा का विकास पच नहीं रहाः धारीवाल ने कहा- कोटा में 3673 करोड़ रुपए के काम हो रहे हैं, 550 करोड़ राज्य सरकार से मिला,बाकी जितना भी पैसा है वह वह यूआईटी का इकट्ठा किया हुआ है। यह भ्रांति चारों तरफ से फैल रही है, क्योंकि जिन लोगों को कोटा का विकास समझ में नहीं आ रहा या कोटा का विकास पच नहीं रहा, उनके पेट में कहीं न कहीं दर्द है। उस दर्द को मिटाने के लिए स्पीकर सदन की एक कमेटी बना दीजिए, यह जांच करवा लें कि कोटा में जो पैसा खर्च हो रहा है वह कहां से आ रहा है?

धारीवाल ने कहा, केवल 550 करोड़ का काम राज्य सरकार के फंड से हो रहा है, बाकी 3123 करोड़ के काम यूआईटी अपने पैसे से करवा रही है। कोटा यूआईटी ने अगले एक साल में 1200 करोड़ की आय का प्लान बनाया है। इसलिए आगे और भी काम चलेंगे।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने धारीवाल से कहा- आप चूरू के 40 करोड़ रुपए कोटा कैसे ले गए? इस पर स्पीकर ने कहा- आपने ही दिलवाए हैं, आपके नॉलेज में है। धारीवाल ने जब स्पीकर से कमेटी बनाने का आग्रह किया तो स्पीकर जोशी ने चुटकी लेते हुए कहा- मंत्रीजी,मदन दिलावर को इस कमेटी का अध्यक्ष बना दें क्या? स्पीकर के इस कमेंट पर सदन में सब हंसने लगे। दरअसल, बीजेपी विधायक मदन दिलावर कोटा की राजनीति में धारीवाल के कट्टर विरोधी हैं।

संयम लोढ़ा का धारीवाल पर हमलाः यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के कामकाज पर बीजेपी विधायकों के साथ सीएम के सलाहकार संयम लोढ़ा ने भी सवाल उठाए। लोढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास योजना में बिल्डर्स को फायदा पहुंचाने के लिए आपने प्रावधान कर दिया। इसमें जो खुला खेल फर्रुखाबादी चल रहा है, राजस्थान में सब लोगों को पता है। मुख्यमंत्री जनआवास योजना लाई गई थी ताकि गरीबों को घर मिले। जिस रूप में बिल्डर को फायदा पहुंचाने के लिए आप श्री सी का प्रावधान लेकर आए हैं, इसके गंभीर परिणाम होंगे। सरकार बदनाम होगी, मैं आपको आगाह कर देता हूं। संयम लोढ़ा ने धारीवाल से कहा-प्रशासन शहरों के संग अभियान की जैसी दुर्गति हमारी आबूरोड़ नगरपालिका में हुई वैसी कहीं भी नहीं हुई। ईओ को हटाया, फिर लगाया और जिसे हटाया, वह कोर्ट से स्टे ले आया। यह नमूना है। लोढ़ा ने कहा कि ये अगले सीएम के मंत्री होंगे, लेकिन हमारे यहां नगरपालिका में दो महीने से जेईएन का पद खाली चल रहा है। हमारे जैसे छोटे जिले पर भी कृपा रखें। इस तरह के आपके तुगलकी आदेशों से वहां की व्यवस्था तहस-नहस हो रही है।

कांग्रेस विधायक स्पीकर से उलझेः इससे पहले आदिवासियों और दलितों बच्चों को स्कॉलरशिप में आय सीमा से जुड़ा सप्लीमेंट्री सवाल पूछने की मंजूरी नहीं देने के मुद्दे पर कांग्रेस विधायक रामनारायण मीणा स्पीकर सीपी जोशी से उलझ गए। स्पीकर और रामनारायण मीणा के बीच जमकर बहस हो गई। रामनाराण मीणा का ओबीसी, एमबीसी और गरीब सवर्णों के बच्चों को स्कॉलरशिप देने में तय आय सीमा और उसे खत्म करने पर सवाल लगा था। सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने सवाल के जवाब में बताया कि स्कॉलरशिप में आय सीमा का प्रावधान खत्म नहीं होगा।

जयपुर में 46 दिन से लापता बहनें सीसीटीवी फुटेज में दिखीं

ट्रेन में बैठकर लखनऊ पहुंची, वेटिंग रूम में बिताया टाइम

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जयपुर से 3 फरवरी से लापता दो सगी नाबालिग बहनों का 46 दिन बीतने के बाद भी सुराग नहीं लगा है। आखिरी बाद दोनों बहनों की लोकेशन उत्तर प्रदेश लखनऊ के चारबाग और फिर निशातगंज मिली थी। लोकेशन के आधार पर जयपुर की महेश नगर पुलिस उसके पिता के साथ लखनऊ पहुंची। दोनों किशोरियां तो नहीं मिल सकी, लेकिन कुछ सीसीटीवी फुटेजों में दोनों बहने रेलवे स्टेशन और कॉलोनी में घूमते दिखीं। इसके बाद एक भी फुटेज पुलिस के हाथ नहीं लगी। न ही नाबालिगों का सुराग लग सका।

दोनों बच्चियों के पिता अवधेश पुरोहित ने बताया कि बेटी भावना (17) और रमा (16) गायब हैं। दोनों बहने 12वीं और 11वीं की स्टूडेंट हैं। 3 फरवरी की सुबह वह अपनी दोनों बेटियों को करतारपुरा स्थित स्कूल छोड़कर आए थे। सुबह करीब 10:30 बजे दोनों बहने तबीयत खराब होने की कहकर स्कूल से निकल गई। बेटियों ने कॉल कर घर पर बताया था कि वह स्कूल में पढ़ाने वाली पुरानी टीचर चांद कवर के घर नीट के पेपर के जरूरी सवाल मार्ग लगवाकर दोपहर 1:30 बजे तक वापस लौट आएगी। जिसके बाद घर नहीं लौटी। टीचर चांद कंवर से परिजनों ने संपर्क किया तो उसने बच्चियों के बारे में जानकारी नहीं होने की बताई। बेटियों का मोबाइल भी बंद था। दोनों बेटियों की महेश नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। अगले दिन चांद कंवर के मोबाइल पर शिवानी वर्मा नाम से भावना ने कॉल किया। नानी की तबीयत खराब होने की कहकर रुपए मांगे और कुछ देर बाद कॉल काट दिया। मोबाइल नंबर से संपर्क करने पर लखनऊ के टैक्सी ड्राइवर परशुराम यादव से बातचीत हुई। उसने गुमशुदा दोनों बहनों को ऑटो से चारबाग छोड़ना बताया। पुलिस टीम लखनऊ रवाना हो गई। लखनऊ में दोनों बच्चियों की तलाश शुरू की गई। लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर दोनों बच्चियां ट्रेन से उतरकर जाते दिखाई थी। कुछ देर दोनों वेटिंग रूम में रूकी थी। जिसके बाद निशांतगंज पेपर मील कॉलोनी में एक पीजी में कमरा लेकर रूकी। पीजी के बाहर एक ऑटो में सवार होकर जाने की भी सीसीटीवी फुटेज पुलिस के हाथ लगे। जयपुर पुलिस के साथ ही अब क्राइम ब्रांच और परिजन अपने-अपने स्तर पर लापता बहनों की तलाश कर रहे है। पुलिस की दर्जनभर टीमें दोनों बच्चियों की तलाश में जुटी है। पुलिस टीमों में 50 से अधिक पुलिसकर्मी परिजनों के साथ सर्च में लगे है। पुलिस टीमों ने अब तक इलाहाबाद, लखनऊ, दिल्ली, गुड़गांव, नोएडा, गाजियाबाद, भोपाल, इंदौर और इलाहाबाद के साथ शहर में दोनों बच्चियों की तलाश की है। इन शहरों में बच्चियों को ढूंढने के लिए पोस्टर भी जगह-जगह लगाए है।

51 हजार का इनाम, आमजन से मदद की अपीलः राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर की ओर से लापता बच्चियों को तलाशने वाले को 51 हजार का इनाम देने की घोषणा की गई है। आमजन से बच्चियों को ढूंढने में मदद की अपील भी की गई है। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से ष्टरू अशोक गहलोत को लेटर लिखकर अवगत कराया है। बार एसोसिएशन अध्यक्ष भुवनेश शर्मा और महासचिव गिरिराज प्रसाद शर्मा ने लेटर में लिखा-दोनों नाबालिग बेटियां करतारपुरा स्थित स्कूल से लापता हुई थी। उसी दिन 3 फरवरी को महेश नगर थाने में स्नढ्ढक्रदर्ज करावा दी थी। नाबालिग बच्चियों की देखरेख व संरक्षण करना राज्य सरकार, प्रशासन और पुलिस का दायित्व है। डेढ़ महीने बीतने के बाद भी प्रशासन बच्चियों को ढूंढ नहीं पाया। अनुरोध है कि 21 मार्च दोपहर 12 बजे तक बच्चियों को ढूंढकर लाए, नहीं तो दोपहर 1 बजे से हाईकोर्ट के गेट नंबर-3 व 4 पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

दशहरा ग्राउंड पर आयोजित हुआ डॉग शो 'द डॉग फेस्ट'

डॉग्स के साथ ओनर्स ने की वीकेंड पर फुलऑन मस्ती

सैंकड़ों डॉग्स ने किया पार्टिसिपेट, जीते टाइटल्स

जयपुर। रविवार को सैकड़ों डॉग और उनके ओनर्स जबरदस्त मस्ती के गवाह बने। चाहे पूल या आइसक्रीम पार्टी हो या फैशन शो का रैंप वॉक, ओनर्स ही नहीं बल्कि डॉग में भी स्टेज पर जमकर फैशन का जलवा बिखेरा। मौका था दशहरा मैदान पर आयोजित हुए डॉग शो 'द डॉग फेस्ट' का जिसमें बड़ी तादाद में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। फर्स्ट इंडिया के एडिटर इन चीफ जगदीश चंद्रा ने शो में विनर डॉग को अवार्ड दिया।

डॉग ने जीते अनूठे टाइटल्सः शो मे जॉब्स ने कई तरह के अनूठे टाइटल जीते। इस दौरान डॉग्स ने मां का लाड़ला, पगला बच्चा, बहादुर बच्चा, भुक्खड़ जैसे फनी टाइटल्स अपने नाम किये। शो में डॉग्स ने पूल पार्टी, आइसक्रीम पार्टी का लुत्फ भी उठाया। वहीं फैंसी ड्रेस कॉम्पिटिशन में डॉग्स ने रंग-बिरंगी ड्रेसेज पहनी। कैनल क्लब ऑफ इंडिया के राजस्थान चैप्टर के सचिव वीरेन शर्मा ने बताया कि इस दौरान राजस्थान पुलिस के सुपर डॉग स्क्वायड का भी शो हुआ जिसमें डॉग्स ने हैरतअंगेज कारनामें करके दिखाए। इसके अलावा बच्चों के लिए ड्राइंग कॉम्पिटिशन भी हुआ जिसमें बेस्ट ड्राइंग विनर को एक पपी गिफ्ट किया गया।

पपीज अडॉप्शन में दिखा लोगों का गजब का उत्साह

डॉग पालो तो सिर्फ विदेशी ब्रीड का। ये भ्रांति तोड़ते हुए जयपुराइट्स ने बेघर इंडी पपीज को गोद लेने की मुहिम में गजब का उत्साह दिखाया। 'द डॉग फेस्ट' में लगे अडॉप्शन कैम्प में शाम 5:30 बजे तक 100 से अधिक पपीज को गोद लेकर उन्हें बेहतर जिंदगी देने की मुहिम में भाग लिया। अंत में डॉग उनके ओनर्स और मॉडल्स में रैंप वॉक किया।

अन्तरराष्ट्रीय फलक पर आवासन मंडल की कार्यप्रणाली और उपलब्धियों की चर्चा

आवासन मंडल की कार्यप्रणाली और उपलब्धियों का अध्ययन करने आया केन्या का प्रतिनिधिमंडल

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। आवासन आयुक्त आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि केन्या सरकार की सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग की निदेशक लेवने निजाइना के नेतृत्व में 9 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आवासन मंडल की कार्यशैली, संचालित योजनाओं और प्रोजेक्टों का अध्ययन करने आया।

मंडल मुख्यालय स्थित बोर्ड रूम में आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने इस टीम को विस्तार से राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा अल्प समय में अर्जित की गई उपलब्धियों से अवगत करवाया। श्री पवन अरोडा ने टीम को मण्डल द्वारा संचालित योजनाओं और प्रोजेक्टों के बारे में बताते हुए मण्डल की कार्यशैली से भी अवगत करवाया।

केन्या सरकार के प्रतिनिधमंडल ने कहा कि आयुक्त पवन अरोड़ा के नेतृत्व में जिस तरह आवासन मंडल को रिवायव किया गया है,

वह हमारे लिए केस स्टडी है। केन्या में भी मंडल की तर्ज पर कार्य किए जाएंगे। उन्होंने ई-ऑक्शन और ई-बिड सबमिशन योजना को केन्या में लागू करने की बात कही। प्रतिनिधमंडल ने आयुक्त से आग्रह किया कि वे केन्या आकर हमें प्रशिक्षित करें।

अरोडा ने इस प्रतिनिधिमंडल को मंडल द्वारा अर्जित उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंडल द्वारा महज 3 वर्ष की अल्पावधि में पारदिर्शता तरीके से ई-बिड और ई-ऑक्शन प्रक्रिया से 13 हजार 500 से अधिक सम्पत्तियों का निस्तारण किया गया। आयुक्त ने बताया कि मंडल द्वारा ई-ऑक्शन में मंडल ने महज 35 कार्य दिवसों में 1010 मकान बेचे, जिससे मंडल को 162 करोड़ रूपये का राजस्व मिला। इसी कीर्तिमान को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्डस, लंदन द्वारा भी मान्यता प्रदान की गई है। इसके बाद बुधवार नीलामी उत्सव के तहत ई-बिड सबमिशन योजना में 12 दिनों में 185 करोड रूपये मूल्य की 1213 सम्पत्तियों का विक्रय कर पुनः अन्तर्राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाया। इस रिकॉर्ड को भी वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्डस, लंदन द्वारा भी मान्यता प्रदान की गई है।

इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान में चल रहे प्रमुख प्रोजेक्टों कोचिंग हब, सिटी पार्क, फाउंटेन स्क्वायर, विधायक आवास परियोजना, कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान, जयपुर चौपाटियों और आवासीय योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने जयपुर में निर्माणाधीन प्रोजेक्टों को विजिट किया।

जयपुर चौपाटी, प्रताप नगर में उठाया लजीज व्यंजनों का लुत्फः आयुक्त पवन अरोड़ा ने इस प्रतिनिधमंडल से जयपुर चौपाटियों को विजिट करने का आग्रह किया। केन्या के इस प्रतिनिधिमंडल ने जयपुर चौपाटी, प्रताप नगर का विजिट किया और यहां उन्होंने लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाया। प्रतिनिधमंडल ने कहा कि उन्होंने इतना अच्छा गुणवत्ता का निर्माण आज तक नहीं देखा। वो केन्या में भी इस तरह की चौपाटी का निर्माण करेंगे।

ये थे उपस्थित

इस अवसर पर निदेशक (आईसीटी) लीनने नगीना नयांगेसा, वरिष्ठ सहायक, निदेशक/एससीएमएस कालब ओधीआंबो ओगोट, प्रबंधक (आईसीटी), (केआरए) प्रोतोस मुय ओनयांगो, उप निदेशक, (आईसीटी) जोएल किमेली चेरस, परियोजना प्रबंधक/ई-जीपी लॉरेंस कैरू कंईयी, सहायक निदेशक/एससीएमएस दोंने मूयेरा, कार्यात्मक सलाहकार वंजोहि जेम्स मुरिमि, खाता प्रबंधक श्रीमती कैरलाइन नतींयरी सहित अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता-द्वितीय श्री विजय अग्रवाल और संयुक्त निदेशक (एस.ए.) श्री अनुज माथुर उपस्थित थे।

पेज नं. 1 का शेष ...

राज.उच्च न्यायालय के आदेश व धवस्त किए जाने वाले 143 भवनों की सूची

HIGH COURT OF JUDICATURE FOR RAJASTHAN
BENCH AT JAIPUR

D.B. Civil Writ Petition No. 15318/2013

Suo Moto

----Petitioner

Versus

State Of Raj

----Respondent

For Petitioner(s) : Mr. Shobhit Tiwari
Mr. Vimal Choudhary with
Mr. Yogesh Tailor

For Respondent(s) : Mrs. Naina Saraf
Mr. Mahendra Shah
Ms. Anita Aggarwal with
Mr. Laxmikant
Mr. Anil Mehta, AAG
Mr. S.S. Sharma on behalf of
Mr. Mahesh Gupta
Mr. Madhusudan Sharma

HON'BLE THE CHIEF JUSTICE
HON'BLE MR. JUSTICE PRAKASH GUPTA

Order

18/09/2019

1. The Court has considered the submissions of the parties and also considered the affidavit of the Municipal Corporation, Jaipur. This affidavit is filed in compliance with the directions of the previous orders of this Court dated 19.05.2019 and 27.08.2019. This order shall be deemed to be in continuation of the previous orders dated 19.05.2019 and 27.08.2019.

2. The materials on record show that firstly 362 properties were considered by the Committee which recommended inclusion of Jaipur as World Heritage City, and that survey of these properties is yet to be carried out by the Municipal Corporation. As far as the other properties are concerned, the Municipal Corporation has annexed three lists having regard to the survey carried out so far. The first list contains details of 19 properties- which according to the Corporation require complete demolition since they are on public lands and/or are encroachments, or are downright unauthorised constructions. The time-frame indicated by the Corporation for taking complete suitable action in this regard is three months.

3. The second list contains particulars of 12 properties, which according to the Corporation has shown partial illegality. The Corporation's tentative programme for taking action and its completion in regard to the properties in the second list is six months from today.

4. The third list contains 112 properties- which in the opinion of the Corporation show minor deviations/illegalities. According to the Corporation, the action with respect to the properties in the third list would be taken up and completed thereafter in a time-bound programme.

5. The third parties have intervened through an application. They urged the Court not to precipitate action without hearing them.

6. Having regard to the overall circumstances, this Court is of the opinion that 19 properties which according to the Corporation require immediate demolition as they have been completely constructed contrary to law and/or are encroachments, need to be examined first. To facilitate the process, the Court hereby nominates the Principal Secretary, UDH and the Principal Secretary, Law, Government of Rajasthan. The Municipal Corporation shall within one week from today give specific notices to each of the occupiers of the 19 properties listing particulars of the deviations/illegalities. The notice shall also indicate the address of the Nodal Officer as the person who would receive the representations/replies to the show cause notice.

7. The Committee set up by the Court- headed by the Principal Secretary, UDH, shall prepare a report based upon the verification and examination of the documents and representations filed. The report shall be compiled and filed in the Court within four weeks from today.

8. Each of the lists filed along with the Corporation's affidavit shall be annexed to the present order. Thus, list-I (which contains description of 19 properties shall be Annexure-A/3); list-

II shall be the properties shown at Page-40 of the affidavit; and list-III containing 112 properties is the list shown between page 41 to 45. The order along with these lists shall be uploaded on the Court's Website.

9. The Corporation shall ensure that no building activity takes place in respect of all the properties listed in the three lists annexed to this order. No Civil Court shall pass any injunction order in respect of these constructions.

10. List on 24.10.2019.

(PRAKASH GUPTA),J (S. RAVINDRA BHAT),CJ

KAMLESH KUMAR /s-64

परकोटे क्षेत्र में चिन्हित अवैध भवनो की सूची प्रथम चरण भवन जो पूर्णतः अवैध है।

क्र.सं.	नाम व पता	कार्यवाही करने की समय सीमा
1	ऋषि कुमार फतेहपुरिया मकान नं. 458–59 रामगंज बाजार जयपुर।	तीन माह
2	हरी अग्रवाल 458 आबू हवेली ठाकुर पचेवर का रास्ता घाटगेट	तीन माह
3	शीतल कुमार पुत्र शंकरलाल मकान नं. 190 मुशरफा का चौक हल्दियो का रास्ता	तीन माह
4	शिवचरण अग्रवाल मकान नं. 196 मुशरफा का चौक हल्दियो का रास्ता	तीन माह
5	शांतीचंद जरगढ 207 मुशरफा का चौक हल्दियो का रास्ता	तीन माह
6	बनवारीलाल गुप्ता व अन्य 410 मनीराम जी की कोठी	तीन माह
7	अनिल अग्रवाल 244 सीतापुरा हाउस रिद्धी–सिद्धी काम्पलेक्स	तीन माह
8	रमेशचंद अग्रवाल, कुंजबिहारी 1984 हल्दियो का रास्ता	तीन माह
9	नेमीप्रकाश खण्डाका खण्डाका हवेली 2148 हल्दियो का रास्ता	तीन माह
10	रवि सचेती भवन संख्या 176 मुशरफो का चौक हल्दियो का रास्ता	तीन माह
11	सुनील बक्षी भवन संख्या 175 मुशरफो का चौक हल्दियो का रास्ता	तीन माह
12	कैलाश कुमार अग्रवाल भवन संख्या 153 मुशरफो का चौक हल्दियो का रास्ता	तीन माह
13	मधुसूदन अग्रवाल भवन संख्या 152 मुशरफो का चौक हल्दियो का रास्ता	तीन माह
14	रमेशचंद अग्रवाल पुत्र कुंजबिहारी मं.नं. 436 ठाकूर पचेवर का रास्ता घाटगेट जयपुर।	तीन माह
15	मोहम्मद साजिद मकान नं. 1873–74 पंचायती मस्जिद मोहल्ला महावतान	तीन माह
16	राधा गोविंद काम्पलेक्स मनीराम जी की कोठी	तीन माह
17	कानोता हवेली मनीराम जी की कोठी	तीन माह
18	स्वर्ण भूमि काम्पलेक्स दडा मार्केट	तीन माह
19	मकान नं. 1907 व 08 धाभाई जी का खुर्रा	तीन माह

उपायुक्त
हवामहल जोन पूर्व
नगर निगम जयपुर

अवैध भवन – द्वितीय चरण जो आंशिक रूप से अवैध है।

क्र.सं.	नाम व पता	कार्यवाही करने की समय सीमा
1	उषा जेन पत्नि विमलेश कुमार जेन, 2657 घीवालो का रास्ता नागोरियों का चौक घाटगेट	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
2	नूरईलाही पुत्र गुलाम मुस्तफा मं.नं. 1048 पदमपुरा हाउस के सामने गंगापोल रोड जयपुर।	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
3	पवन ठोलिया पुत्र अनुपचंद ठोलिया, श्रीमति रेखा पत्नि पवन ठोलिया मं.नं. 2173 चाकसू का चौक जयपुर।	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
4	अ. जब्बार पुत्र अ. वहाब मं.नं. 1480 घीवालो का रास्ता घाटगेट	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
5	रेशमा पत्नि अजीज अली, श्रीमति हीना पोसर पत्नि रशीद अली मं. नं. 5269 चांदी के ताजिये के आगे गली में रेगरो की कोठी घाटगेट।	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
6	गोपाललाल पुत्र हनुमान सहाय 53, गोवधनपुरी स्कीम पार्क के पास चो. शर्की शुमाली जयपुर	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
7	उषा जेन पुत्र विमलेश कुमार जेन मं.नं. 2657 रास्ता नागोदिया का चौक जयपुर।	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
8	पुरूषोतम अग्रवाल पुत्र भागीरथ प्रसाद अग्रवाल दुं.नं. 244 मनीरामजी की कोठी घाटगेट	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
9	नसीम बानो पत्नि इरसाद अहमद, इमरान अहमद, अमीर अहमद दुं. नं. 71 से 73, 104 से 106 मिश्रा मार्केट घाटगेट जयपुर।	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
10	रामचंद्र तेजवानी, ओमप्रकाश तेजवानी पुत्र प्रभुदयाल तेजवानी मं.नं. 350 रायजी का घेर काले हनुमानजी मंदिर के सामने चांदी की टकसाल जयपुर।	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
11	आयुष मेहता पुत्र ज्ञानचंद महेता घीवालो का रास्ता मं.नं. 2811 घाटगेट।	प्रथम चरण पश्चात तीन माह
12	राजेश जेन पुत्र निहालचंद जेन मं.नं. 581 उंचा कुंआ हल्दियों का रास्ता जयपुर।	प्रथम चरण पश्चात तीन माह

उपायुक्त
हवामहल जोन पूर्व
नगर निगम जयपुर

अन्य अवैध भवन – तृतीय चरण

क्र.सं.	नाम व पता	कार्यवाही करने की समय सीमा
1	सलमान पुत्र अताउल्लाह मं.नं. 3001–3002 खरादियो की मस्जिद के पास घाटगेट	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
2	वसीम, फिरोज पुत्र अ. हकीम छप्परबंधान का मोहल्ला आरएसी गेट का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
3	मो. फईम पुत्र ईस्माइल जगन्नाथशाह का रास्ता, मोहल्ला चितेवालो का मं.नं. 3711 जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
4	अ. शकूर पुत्र अ. गफूर छोटे पार्क के सामने 2294, तकिया यकीनशाह की मस्जिद के पास।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
5	मो. सलीम पुत्र नूरमोहम्मद मं.नं. 4474 घोडा निकास रोड शिकारियों की मोरी के सामने जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
6	मुंशी शगीशमुदीन पुत्र करीमबक्ष 862 एक मीनार की मस्जिद के पास नाल बंधान चौ. गंगापोल।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
7	इकबाल अहमद पुत्र स्व. निसार अहमद आकल खाने का रास्ता नाथ जी की बगीची के पास जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
8	शरीफ पुत्र मुनु खां उर्फ यामिर मं.नं. 2126 रास्ता छप्परबंधान चौ. तोपखाना हजूरी।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
9	आरिफ अली पुत्र लियाकत अली एक मीनार मस्जिद के पास नालबंधा का मोहल्ला मं.नं. 829 जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
10	यूसुफ अली पुत्र लियाकत अली मं.नं. 829 एक मीनार मस्जिद के पास मोहल्ला नालबंधान गंगापोल जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
11	वसीउल्लाह पुत्र नवाब पहलवान मं.नं. 2901 मोती सिंह भोमियों का रास्ता में चोरीबरदार के बाग के पास घाटगेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
12	आरिफ अहमद पुत्र अ. गफार मं.नं. 3783 जगन्नाथशह का रास्ता नाहरवाडा जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
13	बाबू भाई पुत्र स्व शमशुदीन मं.नं. 3375 कोली बस्ती चोराहा गंगाबक्ष जोशी का रास्ता जयपुर	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
14	रूकमणी देवी पत्नि स्व. कल्याणसहाय कोठी कोलियान केशर जी पार्क के मकान के पास	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
15	शब्बाव जहां पत्नि वाजिद मं.नं. 2835 मोहल्ला महावतान कोठी कोलियान पंचायती मस्जिद के पास।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
16	मो. नासीर अंसारी पुत्र मो. यासिन अंसारी रास्ता छप्परबंधान का पार्षद कार्यालय से पहले गली में।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
17	अ. रहीम पुत्र नूर मो मं.नं. 963 फुटा खुर्रा रामगंज बाजार जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
18	अ. अहात पुत्र अ. अजीज दुं.नं. 123 रामगंज बाजर जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
19	मो. उमर पुत्र मोहम्मदीन मं.नं. 751 लवाण का घेर बांदरी का नासिक चौकडी गंगापोल।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
20	अ. शमी पुत्र अ. सलाम मं.नं. 2932 रेगरो की कोठी मोतिसिंह भोमियो का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
21	अ. सलीम पुत्र अजरउल्लाह मं.नं. 3995 आरा मशीन के सामने नाहरवाडा क. बस्ती जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
22	अनीस अहमद पुत्र गुलाम अहमद मं.नं. 6813 पतंगवालो का मोहल्ला चो. रामचंद्रजी जयपुर	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
23	मो. रफीक पुत्र अ. रशीद दुं.नं. 121 रामगंज बाजार जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
24	तनवरी पुत्र जहांगीर मं.नं. 4042 नाहरवाडा स्कूल के पूर्वी तरफ चो. रामचंद्रजी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
25	शब्बो पत्नि बशीर मं.नं. 4850 श्रीमाल मंदिर के सामने घोडा निकास रोड जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
26	मो. रफीक पुत्र नूरमोहम्मद मं.नं. 4575 जगन्नाथशाह का रास्ता मस्जिद मोमिनान के सामने।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
27	वसीम पुत्र मो. जमील मं.नं. 5112 मोहल्ला सरायवाला घाटगेट	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
28	अ. सतार पु. अ. रहीम मं.नं. 2514 कांवटियों का खुर्रा रामगंज बाजार जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
29	असरार पुत्र अ. सत्तार मं.नं. 3760 नाहरवाडा स्कूल की गली चो. रामचंद्रजी।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
30	अ. मजीद पुत्र खलील रहमान मं.नं. 4199 फुटा खुर्रा कोने पर दुकान नं. 247 के उपर रामगंज बाजार जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
31	मो. उमर पुत्र मोहम्मददीन मं.नं. 751 लवाण का घेर बांदरी का नासिक जयपुरं	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
32	फारूक चोधरी पुत्र फकरूदीन मं.नं. 1546 सुलम काम्लेक्स के पास पन्नीरान मोहल्ला जयपुर	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
33	नूरईलही पुत्र गुलाम मुस्तफा मं.नं. 1048 पदमपुरा हाउस के सामने गंगापोल जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
34	असरार पुत्र अ. सतार मं.नं. 3760 पतंगवालो का मोहल्ला जयपुरं	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
35	उषा जेन टोंग्या पत्नि सुरेश कुमार टोंग्या मं.नं. 2656 घीवालो का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
36	अ. गफार पुत्र अ. गली मं.नं. 1323 बालजी की कोठी का रास्ता मोहल्ला कुण्डो की गुवाडी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
37	अ. मजीद पुत्र खलीलुरहमान दुं.नं. 247 के उपर फुटा खुर्रा रामगंज बाजार जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
38	सुरेंद्र सिंह राजावत पुत्र श्याम सिंह मं.नं. 1563 राधाकिशन का कुण्ड ख्वास जी का रास्ता तीसरा चोराहा जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
39	मो. जाहिद पुत्र मो. अमीनुदीन मं.नं. 4 शनीचर जी के खुर्रे के नीचे कन्हैयावालो की मो. डाकोतान चो. हवाली शहर शकी शुमाली।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
40	आदिल पुत्र मो. सलीम शीतला माता का चौक मोहल्ला डाकोतान जयपुरु	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
41	मो. यामीन पुत्र फेयाज खां मं.नं. 3475 भिश्तियों की छोटी मस्जिद के पास घाटगेट जयपुर	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
42	अख्तर बेग पुत्र नजीर बेग मं.नं. 2813–15 जोगीयो का टीबा मेहरो की गली जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
43	शराफत पुत्र नसीर अहमद दुं.नं. 63–65 मिश्रा माकेट संजय बाजार जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
44	मो. इरफान पुत्र अ. शहीद मं.नं. 4601 पुरानी कोतवाली का रास्ता घाटगेट	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
45	प्रकाशचंद सिंधी पुत्र कन्हैयालाल सिंधी मं.नं. 365 रायजी का घेर गंगापोल जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
46	फारूक खां पुत्र बूंदू खं मं.नं. 4602 पुरानी कोतवाली का रास्ता घाटगेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
47	आबिद खां पुत्र मजीद खां मं.नं. 679 लवाणजी का घेर का रास्ता गंगापोल जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
48	नंदकिशोर सोनी पुत्र हीरालाल दुं.नं. 2011 भटटो की गली धाबाई जी का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
49	मो. इरफान पुत्र मो. शाहीद मं.नं. 4601 पुरानी कोतवाली का रा. घाटगेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
50	शरफुदीन पुत्र नसरूदीन दगडे वाली मस्जिद के पास मो. बिसायतीयान घाटगेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
51	मो. अशफाक पुत्र मो. यामीन मं.नं. 4235 जगन्नाथशह का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
52	छीतरमल बेरवा पुत्र गोरीलाल दजियो में बेरवा बस्ती चो. तोपखाना हजूरी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
53	शफीक भाई पुत्र अनवारउल्ला मं.नं. 1250 बांदरी का नासिक गंगापोल जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
54	मो. असलम पुत्र मो. यूसूफ मं.नं. 4072 चीते वाली मस्जिद के पास जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
55	जतनचंद जुनीवाल पुत्र रतनचंद जुनीवाल मं.नं. 3866 एमएसबी का रास्ता घाटगेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
56	नजमा परवीन पत्नि मसरूर अहमद मं.नं. 907 उंचा कुंआ दरोगा जी की हवेली के सामने हल्दियों का रास्ता घाटगेट।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
57	अ. रहीम पुत्र नूरमोहम्मद मं.नं. 963 मेहरो का रास्ता कोयले वालो की गली घाटगेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
58	अ. सईद पुत्र अ. शकूर मं.नं. 3793 जगन्नाथशाह का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
59	रिषभ चोपडा पुत्र सुधीर कुमार मं.नं. 2899 एमएसबी का रास्ता घाटगेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
60	नसीम बानो पत्नि मो. सलीम खान मं.नं. 506 मोहल्ला डाकोतान बदनपुरा जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
61	जमनालाल पुत्र रामसहायक मं.नं. 3304 बडा नला कोठी कोलियान जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
62	इस्लाम मं.नं. 3501 हांडीपुरा सिलावटान चौ. रामचंद्रजी।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
63	अ. कलाम पुत्र अ. सलाम श्रीमति रेहाना बेगम पत्नि मो. सलीम मं.नं. 4636 हांडीपुरा फेमस फार्मेसी जगन्नाथशाह का रास्ता चो. रामचंद्रजी।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
64	बनवरीलाल पुत्र भोरीलाल मं.नं. 270 पुराना आमेर रोड धानका बस्ती गंगापोल जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
65	फारूक खां पुत्र नजीर मोहम्मद मं.नं. 3105 मो. सिलावटान चो. रामचंद्रजी जयपुरं	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
66	प्रकाश जेन पुत्र लल्लूलाल जेन पानो का दरीबा जेन मंदिर के पास चौकडी रामचंद्र जी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
67	फारूक पुत्र रशीद खां मं.नं. 949 मोहल्ला बिलोचियान दिल्ली बाईपास रोड जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
68	रेशमा पत्नि अजीज, हीना कोसर पत्नि रशीद अली मं.नं. 5269 रेगरो की कोठी घाटगेट।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
69	अहमद सईद उर्फ प्यारे मियां पुत्र अलादीन मं.नं. 1706 स्टार हाउस उंचा कुंआ हल्दियों का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
70	पप्पू बिलाला पुत्र गोपीचंद बिलाला पुराना आमेर रोड बिलाला गार्डन जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
71	महेश शर्मा, प्रभुलाल व रामकिशोर पुत्र गेंदीलाल मं.नं. 845–46 मोती डूंगरी रोड पर लालकोठी थाने के पास।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
72	मो. आरिफ पुत्र मोहम्मद शरीफ मं.नं. 3042 रेगरो की कोठी का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
73	हीरालाल बालोठिया पुत्र घासीलाल रेगरो की कोठी कसाईयों की गली	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
74	मो. रहीस पुत्र मो. सईद चीतेवालो की मस्जिद के पास जगन्नाथशाह का रास्ता	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
75	सोयल रजवी पुत्र शोकत अली 4723/25 जगन्नाथशाह का रास्ता हांडीपुरा के पास मेनरोड पर चो. रामचंद्रजी।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
76	मो. खलील पुत्र मो. ईस्माइल 4726 लक्ष्मी निवास के सामने वाली गली।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
77	धापादेवी पत्नि बोदूलाल धोबी मं.नं. 365 रायजी का घेर मोती कटला बाजार जयपुर	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
78	फोजिया पत्नि मो. इमरान नदी कुम्हारान कुम्हारो की नदी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
79	रईस पुत्र अ. हमीद, 1246 खाती वाली गली जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
80	मो. यूनूफ पुत्र अ. हमीद 1994, छोटे पार्क के पास तकिया यकीनशह की मस्जिद के पीछे जयपुरं	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
81	अ. शकुर पुत्र गफूर खां 2314 छोटे पार्क के पास तकिया यकीनशह की मस्जिद के पीछे जयपुरं	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
82	मुन्ना भाई पुत्र फेयाज खां मं.नं. 2299 छोटे पार्क के पास तकिया यकीनशह की मस्जिद के पीछे जयपुर	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
83	शत्रुधन पुत्र लक्ष्मणदास श्यामकरण जी की हवेली रामगंज बाजार जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
84	यूनूस मिर्जा पुत्र नंन्हे मिर्जा मं.नं. 1380, राधाकिशन का कुंड चाणक्य मार्ग चौ. रामचंद्रजी।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
85	असलम पुत्र मो. रहजान मं.नं. 4236 जगन्नाथशाह का रास्ता जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
86	अ. मलिक पुत्र अ. वसीद मं.नं. 2366 कावटियों का खुर्रा चो. रामचंद्रजी।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
87	मो. खलील पुत्र नसीर खां मं.नं. 1871 सांडियो का टीबा जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
88	कल्लू पुत्र इमामबक्ष मं.नं. 4546 लदाना हाउस के घेर से पहले घाटगेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
89	शोकत अहमद पुत्र सिराज अहमद मं.नं. 4790 घोडा निकास रोड जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
90	उपेंद्र कुमार मेहतो पुत्र जगलाल मेहतो मं.नं. 4168–69 मेहरो का रास्ता सूरजपोल बाजार जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
91	किशोर सिंघल पुत्र सूरजमल अग्रवाल सूरजपोल दरवाजा बाहर गणेश मंदिर के कोने पर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
92	मोहनलाल अग्रवाल पुत्र भोलाराम अग्रवाल, मं.नं. ए–46 लक्ष्मीनारायणपुरी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
93	अनिता बग्गा पत्नि चंद्रपाल बग्गा, सी–6 टीपी नगर जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
94	ग्रामस्वरूप मीणा पुत्र बंशीराम मीणा सर्वे नं. 26, 27 गोवधनपुरी गलता गेट जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
95	राजेंद्र मीणा पुत्र सीताराम मीणा गोवधनुपरी गलता रोड पर मदर टेरेसा वाला मकान	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
96	राजेंद्र मीणा पुत्र सीताराम मीणा गोवधनुपरी गलता रोड पर मदर टेरेसा वाला मकान	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
97	श्यामबिहारी पुत्र गोकूल प्रसाद, बी–213 लक्ष्मीनारायणपुरी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
98	मंजू गुप्ता पत्नि स्व. रामवतान गुप्ता बी–47 लक्ष्मीनारायणपुरी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
99	सुभाषी मेहता पत्नि कृष्ण कुमार मेहता बी–36 टीपी नगर आगरा रोड जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
100	घीसाराम पुत्र चतुरूराम यादव सर्वे नं. 36/37 पर्वत कालोनी वेदपुरी क.बस्ती जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
101	प्रभाराय चोधरी पत्नि रणजीत चोधरी ए–1 रघुनाथ कालोनी गलता थाने के सामने जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
102	देवेश्वरनाथ बोहर पुत्र परमेश्वर बोहरा बोहरा जी का बाग घाट की गुणी आगरा रोड जयपुर	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
103	दिनेश विजय संतोष सागर कालोनी ब्रहम्पुरी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
104	कुलदीप सिंह पुत्र गुलाब सोयल पहाडियो का चोक मंडी खटीकान जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
105	अनिता देवी पत्नि महेश कुमार गुप्ता मं.नं. 205 संतोष सागर कालोनी नाले के पास जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
106	रितु गुप्ता पत्नि श्यामसुंदर गुप्ता मं.नं. बी–43 लक्ष्मीनारायणपुरी जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
107	रामेश्वरप्रसाद पुत्र रामगोपाल 167 गोवधनपुरी दिल्ली बाईपास रोड	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
108	प्रताप तंवर पुत्र श्रवणलाल प्रभात कालोनी पुलिया नं. 2 के पास मंडी खटीकान जयपुरं	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
109	चंद्रबाल पत्नि माधोलाल मं.नं. ए–9 रघुनाथ कालोनी दिल्ली बाईपास रोड जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
110	मो. शरीफ पुत्र सतार खां मं.नं. बी–44–45 के सामने विवेकानंद कालोनी सोफिया स्कूल के पीछे जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
111	गोपाललाल पुत्र हनुमान सहाय 53, गोवधनपुरी स्कीम पार्क के पास चो. शर्की शुमाली जयपुर	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह
112	शाकीर पुत्र अ. रजाक मं.. 23/7 ईदगाह मस्जिद के पास बासबदनपुरा जयपुर।	द्वितीय चरण पश्चात 06 माह

उपायुक्त
हवामहल जोन पूर्व
नगर निगम जयपुर

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

06

जयपुर >> सोमवार, 21 मार्च, 2022

काव्य कोना

विकास चौधरी
'आभास'
चरखी दादरी,
हरियाणा

उन्मुक्त नदी का स्वप्निल सागर संसार

दायरों में
तुम हो,
मैं तो कहीं भी नहीं।
दायरों की
वर्जनाओं से मालूम नहीं,
क्यों ईश्वर ने मुझे मुक्त किया है।
शायद वो
जानता है मेरी बेबसी को।
मेरी बेहतरी के लिए,
सागर मुझे उसने
स्वप्निल संसार में,
जीवन यात्रा करने उपहार दिया है ।
एक जीवन में,
दो दो जीवन जीने का
परम सुख देकर,
मर्म और पीड़ा में भी सृजित किए जाता है।
जख़्म सब
नासूर हैं लेकिन,
उनके अंतहीन दर्द को
कुरेद कुरेद स्वयं से,
सहलाते जाने का सुख दिये जाता है।
सागर !!
उस रचनाकार के
विधान में ये जीवन-प्रसाद अतुल्य है।
सुरभित,
पल्लवित जीवन
मार में, जीत और हार में अभिनव है।
विवशता में,
कोई विकल्प ना होते हुए भी,
स्वयं में जीने की प्रतिबद्धता का संकल्प है।
सागर!
अपनी ही लहरों से,
लड़कर डूबने का सुखद अनुभव
'परम' ने प्रसाद स्वरूप दिया है मुझे।
दायरों में जकड़ा
और दायरों से मुक्त करके उन्मुक्त भी किया।
पथरीले यथार्थ के धरातल से
स्वप्निल मन की सतरंगी जमीनों पर,
अहसास की खेती हरी करने का दैवीय सुख दिया उसने।
सागर!
तुम सागर होकर भी
स्वयं में कितने विवश हो?
मगर नदी की तरह
अपने किनारों को तोड़कर,
पहाड़ समतल पठार डेल्टाओं से,
बहकर नदी सा जीने का सौभाग्य पाया मैंने।
सागर!
अनगिनत
स्मृतियां बहती हैं।
जीवन की नदी...अपने तटबंधों को तोड़कर,
पहाड़ समतल पठार डेल्टा
सुंदरवन बनाती हुई सागर समाहित होती है।

लघुकथा

सुरक्षित कौन?

टीकेश्वर सिन्हा
'गब्दीवाला'
घोटिया-बालोद
(छत्तीसगढ़)

जैसे ही उसने खिड़की से झाँककर देखा, उसे एक क्रीम कलर की कार दिखी। एक लम्बा-चौड़ा शख़्स कार से उतरा। उसने तुरंत पहचान लिया। वह तो बड़े दाऊ का छोटा बेटा था- सुरेश। मोहला गाँव का एक बदनाम शख़्स- सुरेश दाऊ। इधर-उधर देखते हुए, सब से नज़रें चुराते हुए वह एक बड़े से, लम्बी छत वाले मकान में घुसा।

एक घंटे बाद सुरेश दाऊ एक कमरे से लड़खड़ाते कदमों से बाहर निकला। बोला- भुनेश्वरी ! तुमने अच्छा किया यहाँ आकर। शायद तुम बहुत खुश हो। तुम्हें आसपास के सभी लोग जानते हैं। इस शहर में तुम्हारा बहुत नाम है। तुम्हारे पास पैसा है; शोहरत है। इतनी बड़ी बिल्डिंग में रहती हो। सब कुछ तो है तुम्हारे पास। तुम्हें और क्या चाहिए? आखिर तुम्हारी जवानी और ख़ूबसूरती काम आई। सबसे बड़ी बात यह है कि तुम यहाँ बिल्कुल सुरक्षित हो। तुम कहीं और इतनी सुरक्षित नहीं रह सकती हो। बड़ी मुश्किल से शर्ट की बटन लगा कर कॉलर सीधा करते हुए सुरेश दाऊ दरवाजे के बाहर आया।

साला! कमीना! कुत्ता! मैं यहाँ कैसे; और क्या सुरक्षित हूँ? तुम्हारे कारण ही मैं यहाँ आई। मैं यहाँ सुरक्षित नहीं हूँ; बल्कि मेरे ही कारण तुमसे तुम्हारी माँ, तुम्हारी बहन और तुम्हारी बेटी सुरक्षित है। हाँफती हुई भुनेश्वरी ने आँखों में आँसू लिये फटाक से दरवाजा बंद कर लिया।

बचपन की होली

बांस की बनी वह पिचकारी
बाल्टी में भरा वह लाल रंग
एक दूसरे पर रंग डालने के
होते थे अलग ही सबके ढंग
इक्ठे हो जाते थे दिन में पीपल के नीचे
बनती थी वहीं फिर बच्चों की टोलियां
बचता नहीं था बिना रंग के कोई बाट बटाऊ
चलती थी खूब पिचकारी से रंग की गोलियाँ
छत के ऊपर से डालता था कोई बाल्टी
कोई पीछे से छुप कर तवे की स्याही लगाता था
कोई पिचकारी लेकर आगे खड़े होकर डराता था
बदले में सबसे कुछ पैसे उगाहता था
तवे की स्याही में कड़वा तेल मिलाते थे
सबके हाथ मुँह बहुत काले हो जाते थे
दस बार धोने पर भी नहीं उतरता था रंग
लोगों से तब बहुत गालियाँ खाते थे
रंग के लिए पैसे नहीं होते थे
नीली स्याही की टिक्किया डब्बे में घोलते थे
पिचकारी में भर भर कर नीली स्याही
सबके सिर पर उडेलते थे
शाम को गाँव के युवा हो जाते थे इकट्ठे
खूब करते थे मस्ती में नाच और गाना
नहीं भूलता चुपके से गाँव के बुजुर्गों को
धोखे से वो भांग के पकौड़े खिलाना
अब बचपन की वह होली नहीं आती
पुराने बिछड़े दोस्तों को नहीं मिलाती
अपनों के बिना लगते अब सब रंग फीके
बिना दोस्तों के अब होली नहीं सुहाती

रवींद्र कुमार शर्मा
बिलासपुर हि प्र

कौन सी होली

रंगों की ये, होली हम सब,
खेल सकेंगे, क्या उमंग से?
पड़ी है सारी, गलियां सूनी,
मित्र भी नहीं, कोई संग में।।
फ़ीके लगते, चटक रंग भी,
फाग गीत भी, लगता फ़ीका।
नज़र लगी, खुशियों को किसकी,
कोई लगा दो, काला टीका।।
जंग छिड़ी है, युद्ध मचा है,
देखने को क्या, यही बचा है!
हर पल अब, लगता है जी लें,
जीवन जो भी, बचा-खुचा है।।
खून का रिश्ता, लाल हो रहा,
पैसा जी का जंजाल हो रहा।
लूट के अपने ही भाई को,
भाई अब मालामाल हो रहा।।
स्वार्थ की दुनिया, सोच तंग है,
हँसी है झूठी, खुशी बेरंग है।
कौन सी होली, लोग खेलते?
सोच के यह, नादान दंग है।।

तुषार शर्मा 'नादान'
छत्तीसगढ़

नई बहू

लघुकथा

वैसे भाभी तुमने बहू को ज्यादा ही सर पर चढ़ा रखा है। नीता ने अपनी भाभी से बोला अभी से उसको काम करने की आदत नहीं डालोगी तो अकेले ही हर दम किचन में खटती रहोगी। आज नीता को अपने भाई के घर की तरफ कुछ बाज़ार के काम थे तो सोचा पहले भाई भाभी से मिलती चलूं। फिर मार्किट जाऊंगी भाई तो अपने काम पे जा चुके थे। भाभी भाई को नाश्ता करवाने के बाद दोपहर के खाने की तैयारी में जुटी थी।

बच्चे कहाँ है नीता ने पूछा। भाभी बोली-बेटी तो कॉलेज गयी। बहू बेटा सो रहे हैं।

वैसे भाभी बहू को अभी से आदत डालोगी तो सुखी रहोगी। थोड़ा ज़ल्दी उठ कर तुम्हारे साथ काम मे मदद करे नीता ने कहा। भाभी ने कहा नीता दीदी जब मैंने आज तक अपनी बेटी या बेटे को बिना वज़ह काम के लिए डिस्टर्ब नही किया तो वो भी तो मेरे बच्चों जैसी ही है। अभी नई नई शादी है। बच्चे घूम फिर कर थके होते हैं।

यही सोचूंगी कि मेरे दो नही तीन बच्चे हैं । पहले जहां दो बच्चों के लिए सब काम करती थी अब तीन का कर लूंगी। फर्क कितना पड़ेगा दो फुलके ही तो ज़्यादा बनेंगे ना।बाकी सब काम तो जैसे पहले होता था वैसे ही होना है। अब बेचारी बच्ची की नींद क्यों खराब करूँ। धीरे धीरे अपने आप संभालने लगेगी।

रीटा मक्कड़

आगे से नीता के पास भाभी की बात का कोई ज़वाब नही था

और भाभी की इसी सोच ने उनके परिवार की सुख शांति और प्यार को हमेशा ही बनाये रखा और बच्चों से उन्हें बदले में कई गुना प्यार और इज़्ज़त मिली।

बुजुर्गों की सेवा का फल

जब कोई बुजुर्ग निशब्द तुम्हारे झुके सिर पर अपनी कंपकंपाती उंगलियाँ फिरादे, समझो वरदान, खुशी, आशीर्वाद एक साथ मिला

संकलनकर्ता लेखक- कर विशेषज्ञ
स्तंभकार एडवोकेट किशन
सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

भारत आदि-अनादि काल से ही संस्कारों की खान रहा है। यहां की मिट्टी में ही गॉड गिफ्टेड संस्कारों की ऐसी अदृश्य शक्ति समाई हुई है कि मानवजन्म से ही संस्कारों की प्रतिभा मानवीय जीवों में समाहित हो जाती है इसमें कोई दो राय नहीं है। परंतु जीव की उम्र बढ़ने के साथ-साथ पाश्चात्य संस्कृति की ललक अनेक अपवाद स्वरूपी मनीषियों में समाहित हो जाती है, जो बड़े बुजुर्गों का सम्मान तो नहीं परंतु अनादर करने पर उतारू हो जाते हैं? जिससे समाज में यह दूषित भावना पनपने का संदेह बना रहता है। इसलिए हम आज के युग में देख रहे हैं कि शासन-प्रशासन सामाजिक संस्थाएं, बुद्धिजीवी वर्ग, बड़े बुजुर्गों का सम्मान सुनिश्चित करने हमारी हजारों वर्ष पुरानी परंपरा,धरोहर और वैचारिक शक्तिबल को संरक्षित, सुरक्षित करने के लिए अनेक वेबिनार, कार्यक्रम, अभियान चलाए जा रहे हैं ।

साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष्य की करें तो हमारे बड़े बुजुर्गों का ध्यान रखनें की जवाबदारी व जिम्मेदारी युवा वर्ग की अधिक है जिन्हें भारतमाता की गोद से मिले संस्कारों को प्राथमिकता से सजग होकर रेखांकित करना अनिवार्य है। बड़े बुजुर्गों की सेवा का उन्हें मान-सम्मान देकर अत्यधिक पुण्य कमाना है। क्योंकि जब कोई बुजुर्ग निशब्द तुम्हारा तुम्हारे झुके सिर पर अपनी कंपकंपाती उंगलियाँ फिरा दे तो समझो वरदान खुशी और आशीर्वाद एकसाथ तुम्हें यूं ही मिल गया क्योंकि बड़े बुजुर्गों में ईश्वर अल्लाह का एक रूप समाहित होता है।

साथियों बात अगर हम वरदान खुशी और आशीर्वाद की करें तो वैश्विक स्तरपर भारत सबसे पुरानां आध्यात्मिकता में गहरी आस्था रखने वाला देश है यहां आध्यात्मिकता का विस्तार तेजी से हुआ है जो एक अच्छी बात है परंतु मेरा मानना है कि उसी तेजी के साथ मनीषियों की आस्था माता-पिता, बड़े बुजुर्गों के मान सम्मान सेवाभाव के प्रति अपेक्षाकृत कम होकर संकुचित होने के संकेत हाल के पाश्चात्य संस्कृति की घुसपैठ के चलते मिल रहे हैं।

कई परिवार टूट रहे हैं वृद्धाआश्रमों में बुजुर्गों की तादाद बढ़ रही है आख़िर ऐसा क्यों? मैंने अनेक ऐसे मनीषियों को भी देखा है जो अपने माता-पिता बड़े बुजुर्गों से तो अलग रहते हैं, उनकी सेवा खुशी का ध्यान नहीं परंतु आध्यात्मिकता क्षेत्र में उनके नाम पर बहुत बड़े सेवा भावी होने और आस्था का डंका बजता है यह देख मुझे बहुत हैरानी होती है।

साथियों बात अगर हम ऐसे बड़े बुजुर्गों की करें जिनको अपनों ने ठुकराया है तो मैंने स्वयंम कुछ बुजुर्गों से बात की तो उनका बड़प्पन देखिए कि अपने दुख दर्द बांटने की अपेक्षा उन्होंने अपनों की तारीफ़ ही की। वाह क्या बात है! आप ईश्वर अल्लाह के तुल्य हैं कहकर अनायास ही मेरे हाथ उनके चरणों में झुक गए तो उनकी आँखों में आँसू आ गए।

साथियों ऐसे अनेक पीड़ित हर मेट्रोसिटी, शहर, गाँव में हैं ऐसे किस्से हमें अपने शहरों में भी ज़रूर देखने को मिलते होंगे जिसे हम सब करें तो, बूढ़े व्यक्ति के पास स्मृतियाँ, जवान के पास कल्पनाएँ हैं, यदि घर-घर दोनों का मेल बने तो कमाल हो जायेगा। धरती पर स्वर्ग उतर आयेगा। जबकि नई पीढ़ी को चाहिए माता-पिता के उत्तम गुणों के वारिस बनें, अपने बड़ों को मान दें, क्योंकि वृद्धों का जो वर्तमान है, वही युवाओं का भविष्य है। इसलिए यदि नई पीढ़ी अपने बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद वरदान लेंने, उनका देवताओं की तरह पूजन करने, मिलकर रहने, सहयोग करने की सोच अपना ले, तो घरों के अन्दर प्रेम, सद्भाव जाग जाएगा और धरती में स्वर्ग उतर आयेगा।

साथियों जरूरत है युवा-वर्ग माँ-बाप की अवहेलना न करे। बड़ों के प्रति सम्मान की भावना रहे। क्योंकि बूढ़ी आंखों में जब आंसू आते हैं, हृदय पर जब व्यंग बाण लगते हैं, शरीर काम नहीं करता और नींद आती नहीं तो ऐसे में व्यक्ति का जीना कठिन हो जाता है। वैसे भी बड़े-बुजुर्ग हमारी अमूल्य सम्पत्ति हैं। उनके पास अनुभवों का खजाना है, अतः उनके अनुभवों का लाभ उठाएं। कभी भूलकर भी उनसे अपशब्द न कहें। साथ ही अपने बच्चों को बड़ों के पास बैठने का अवसर दिया करें, क्योंकि उनके आशीर्वादों से बच्चे फलते-फूलते हैं। अन्य लोग स्वयं भी बुजुर्गों के पास दो मिनट बैठकर उनकी बात सुनें, उनका हाल-चाल पूछें।

जिस व्यक्ति के सिर पर माँ-बाप का साया है, वह धन्य है। घर में बड़े बुजुर्गों का होना बहुत सौभाग्य माना जाता है और माँ-बाप की सेवा करने वाली सन्तान श्रेष्ठ। बच्चे को माता-पिता से आशीर्वाद माँगना नहीं पड़ता, अपने आप हृदय से मिल जाता है और माँ-बाप के हृदय से निकले हुए इस आशीष की कोई समानता नहीं है।

बड़ी विडंबना का समय है पाश्चात्य सभ्यता के प्रभाव के कारण आज के युवा माँ-बाप को नमन-वन्दन करने में लजाते हैं,जब कि कोई बच्चा व युवा जब अपने माता-पिता, दादा-दादी अथवा सदुरु के चरणों में शीष झुकाता है, तो उनके दिल में आनन्द की हिलोर उठने लगती है और तेजरूपी प्रकाश की किरणें विनम्र होते ही चरणों में झुके सुपुत्र, सदशिष्य के अन्दर प्रवेश कर जाती हैं। जिसके प्रतिफलस्वरूप उस युवा को आयु, विद्या, यश और बल की प्राप्ति होती है। ये चारों अनमोल उपहार किसी अन्य कीमत एवं किसी अन्य स्थान से प्राप्त नहीं हो सकते। इनका केन्द्र तो माता-पिता, वृद्धजन एवं गुरुजन ही हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि बुजुर्गों की सेवा का फल बहुत मीठा हैं, जब कोई बुजुर्ग निशब्द तुम्हारे झुके सिर पर अपनी कंपकंपाती उंगलियां फ़िरा दें समझो वरदान खुशी और आशीर्वाद एक साथ मिला। बड़े बुजुर्गों माता पिता की सेवा तुल्य कोई पुण्य नहीं जीवन का सुख इनके श्री चरणों में है।

मैं और मेरे अपने

होली तो होली है,
सतरंगी सपनों की।
नहीं किसी ग़ैर की,
बस मेरे अपनों की।
खुले मेरे हाथ हों,
मन चाहा गुलाल हो,
साजन भी पास हो।
कोई न रोके न टोके,
खुशियाँ अपरम्पार हों।
शब्दों को बाँध-बाँध,
मैं फागुनी गीत गाऊँ,
जोड़-जोड़ रिश्तों को,
इन्द्रधनुष सी छा जाऊँ।
सौहार्द की बात हो,
रंगों की बरसात हो,
न कोई सवाल हो,
मैं और मेरे अपने,
होली का खुमार हो।।

रश्मि अग्रवाल

अबकी होली ऐसी हो ...

न जैसी पहले हुई कभी
मन की कालिख़ धुल जावे,
भ्रम, भयमुक्त हो जाए सभी।
भगवा और हरा रंग मिलकर,
प्रीत का रंग बनाएं,
नागफ़नी की क्यारी में
लो केसर आज उगाए।
तार तार हो रही चुनरी,
भारत मां के अंग की,
सत्ता लोलुप सजा रहे
दुकान स्वार्थ के रंग की।
लाल रंग सड़कों पे बहाकर ,
काला धुआँ उड़ाते हैं ।
माँ पर फेक रंग जहरीला
यह कैसी होली मनाते हैं।
नहीं दिखावटी रंगों से
भरी आज मेरी झोली,
निस्वार्थ प्रेम मुट्ठी भर लाओ,
तो हिलमिल खेलें सच्ची होली।

संगीता गुप्ता

ग़ज़ल

अक्सर तेरा आना जाना लगता है

हर चिहरा मुझको पहचाना लगता है
ख़ामोशी की इक शिकायत है सबसे
महफिल में बस इक दीवाना लगता है
खाली खाली मौसम मौसम दो राहें
मुस्तकबिल पग पग अनजाना लगता है
डगमग राही सभला सभला जाते है
रस्ते के आख़िर मयखाना लगता है
मिलते जुलते है जीवन के दो साहिल
बूढ़ापा भी कुछ बचकाना लगता है
सुलझे कैसे गुत्थी मांगी रोटी का
हर टुकड़ा फंदे का दाना लगता है
ग़ज़लों के कूचे में अब तक जाते है
शेरों से अब भी याराना लगता है

शिवम तिवारी
आरा, बिहार

और सन्नाटा छा गया

लघुकथा

तड़के सुबह पांच बजे का समय। लोगों की आवाजाही शुरू ही हुई थी कि अचानक सड़क पर लोगो की भीड़ दिखाई दी। ऐसे समय पर एक सज्जन जो सभ्य जान पड़ते थे। क्या हुआ? कहते हुए आगे बड़े।

तभी भीड़ से आवाज़ आती है- एक्सीडेंट हुआ है! और एक लड़का घायल है।

एक युवा दुर्घटना का शिकार हो गया था। लोग उसकी फोटो वीडियो बनाने में इतने मशगूल थे कि उसकी वेदना उसकी कराहना पर किसी का ध्यान नहीं जा रहा था। वो बारबार सहयोग की भीख मांग रहा था-

मुझे बचाओ। पानी पिलाओ। कोई एम्बुलेंस बुलावा दो।

तभी वह सज्जन उसके नज़दीक पहुंच जाते हैं। उन्हें तुरन्त समझ में आ जाता है। और बिना देरी किये एम्बुलेंस बुलवाते हैं। कुछ ही पल में सायरन बजाती हुई एम्बुलेंस पहुँच जाती है। वह सज्जन उस घायल को उठाने के लिए उस भीड़ से गिड़गिड़ाते हैं पर किसी ने सहयोग नही किया। बल्कि सभी धीरे-धीरे खिसकने लगे।

अशोक पटेल आशु
व्याख्याता-हिंदी
शिवरीनारायण
(छग)

ऐसे निर्मम और निर्दयी मानवीय भीड़को देखकर वह सज्जन बहुत दुखी हुए। स्वयं जैसे-तैसे उठाया और अस्पताल रवाना कर दिया।

लेकिन उस सज्जन की अन्तरात्मा चिल्ला उठी-यह कैसी मानवता है? एक मानव ही मानव का तमाशा देख रहा है। मानव की संवेदनाएँ मर चुकी है। वह लड़का जो दुर्घटना का शिकार है वह घायल नही है। लोगों की मानवीय भावनाएँ घायल हो गई है।

लोगों की भीड़ बेपरवाह बेजान मुर्दों की भांति खिसकने लगी। सड़क में फैली लालिमा चीखते-चीखते शांत हो गई और कुछ ही पल में उस जगह सन्नाटा छा गया।

जेडीए ने सड़क सीमा में आ रहे अतिक्रमण को हटाया

व्यावसायिक प्रयोजनार्थ बनाई अवैध दो दुकानों को किया ध्वस्त

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-04 में जविप्रा स्वामित्व की सरकारी भूमि पर अवस्थित बिल्ड़िग के करीब 60 प्रतिषत भाग को सील किय गया। साथ ही जोन-10 में सड़क सीमा में आ रहे अतिक्रमण को ध्वस्त कर सड़क सीमा को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। साथ ही जोन-08 में जविप्रा की बिना अनुमति व स्वीकृति के व्यावसायिक प्रयोजनार्थ 02 दुकाने हेतु रातो-रात पिल्लर खडे कर अवैध रूप से शटरिग की जा रही थी जिसे प्रारम्भिकर स्तर पर ही ध्वस्त किया गया।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन श्री रघुवीर सैनी ने बताया जोन-04 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित चन्द्रकला कॉलोनी में जेडीए स्वामित्व के भूखण्ड संख्या-7 में क्षेत्रफल 55 बाई 60 फिट में पिछले 40 वषो से कब्जा-अतिक्रमण कर जीरो सेटबेक पर बनाई हुई चार मंजिला बिल्ड़िग की षिकायत प्रवर्तन प्रकोष्ठ में प्राप्त होने पर तत्काल उक्त भूमि का सर्वे जोन-04 की टीम से करवाया गया तो उक्त भूमि जविप्रा स्वामित्व की पाई जाने पर अतिक्रमी को धारा 72 के जविप्रा एक्ट के नोटिस दिनांक 06.08.2021 को जारी किये जाकर अतिक्रमी को उक्त भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने बाबत् पाबंद किया गया। उक्त बिल्ड़िग में उपर पी.जी संचालित किया जा रहा था तथा पिछले हिस्से में परिवार निवास कर रहा है। नोटिस की पालना में अतिक्रमी द्वारा जविप्रा स्वामित्व की भूमि को अतिक्रमण मुक्त नही करने पर उक्त भूखण्ड के अग्र भाग जिसमें एलोवेरा, ज्वारा वगैरह का कार्य किया जा रहा था तथा परिवार द्वारा काम में लिये जा रहे हॉल एवं कमरो तथा अग्र भाग के कुछ हिस्से में रह रहे घरेलू सहायकों का सामान निकलवाया जाकर मौके की पिस्थितियो के अनुसार उक्त बिल्ड़िग के अधिकतम भाग अर्थात करीब 333 वर्गगज में निर्मित बिल्ड़िग को विहित प्रक्रिया अनुसार सक्षम स्वीकृति उपरान्त आज दिनांक 16.03.2022 को जविप्रा की इंजिनियर शाखा की मदद से उक्त बिल्ड़िग के प्रवेश द्वारो, गेटो पर ताले सील चपडी लगाकर सील कर जविप्रा स्वामित्व में लिया गया। उक्त बिल्डिग के पिछले हिस्से में सिनियर सिटीजन एवं बच्चे परिवार सहित निवास कर रहे हैं व बिल्ड़िग के उपर के कमरो में लड़के-लडकिया किरायेदार रह रहे है। जिसको खाली करवाये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन हैं।

उक्त कार्यवाही मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन, अतिरिक्त आयुक्त प्रषासन, उपायुक्त जोन-4 के निर्देषन में उप नियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन-04, 05, 06, 08, 10, 12, 13 तथा स्थानीय पुलिस थाना-जवाहर सिर्किल का जाप्ता व प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन-4 में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी शाखा की मदद से प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

जेडीए द्वारा जोन-10 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ईकोलोजिकल जोन में आगरा रोड सुमेल को जाने वाली रोड़ सीमा पर करीब 20 बाई 40 फीट में आम रास्ता-रोड सीमा पर अतिक्रमण कर बाउण्ड्रीवाल बनाकर रास्ता अवरूद्व किया गया था; जिससे स्थानीय लोगो व आम जन को भारी समस्या का सामना करना पड रहा था। जिस पर अतिक्रमणकर्ता को धारा 72 जेडीए एक्ट का नोटिस जारी कर आज दिनांक 16.03.2022 को किये गये अतिक्रमण को जोन-10 राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निषादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर आम रास्ता-रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया जाकर रास्ते को सुचारू किया गया। उक्त अतिक्रमण मुक्त रोड़ सीमा पर उसी कॉलोनी के रहेने वाले अतिक्रमी द्वारा अवैध अतिक्रमण किये हुये थे; जिसकी शिकायत प्राप्त होने पर जविप्रा की टीम द्वारा मौके पर पहुँचकर अविलम्ब कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-10 व प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनिकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

जेडीए द्वारा जोन-08 के क्षेत्राधिकार विधानसभा नगर में में अवस्थित वीर तेजाजी सर्किल के पास प्लाट न. सी-31 में करीब 30 बाई 20 में बिना जविप्रा की अनुमति स्वीकृति के व्यावसायिक प्रयोजनार्थ 02 दुकानो हेतु रातों-रात द्रुतगति से अवैध रूप से पिल्लर खडे कर शटरिग की जा रही थी जिसकी षिकायत प्राप्ति पर जोन-08 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीनों व मजदूरों की सहायता से पूर्णतः ध्वस्त किया गया। उक्त कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-08 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनिकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

हमारे वन्य जीव : बार्बरी शेर

प्यारे बच्चों को कविता आंट की तरफ़ से होली की ढेर सारी बधाइयाँ और भर भर के गुझियें ...बच्चों होली खेलते हो न? भई, हमने तो अपने बचपन में खूब खेली है , रंगों से , फूलों से , पिचकारी से । आपस में प्रेम और भाईचारा बढ़ाने वाला ये त्योहार मुझे तो बहुत पसंद हुआ करता था । ये त्योहार तो हम इंसानों के लिए ही बनाये गये हैं न्? लेकिन मैंने देखा है कि कई बार कुछ सिरफिरे जानवरों पर भी रंग डाल कर उन्हें तकलीफ़ और मुसीबत में देते हैं । ऐसा नहीं करना चाहिए।

बच्चों, आजकल हम बिग-कैट्स में लायन के बारे में जानकारी हासिल कर रहे हैं, याद है न्! दरअसल ये आर्टिकल पोस्ट करते करते मेरी नज़र आज के अख़बार की इस तकलीफ़देह खबर पर पड़ी जो ये बता रही है कि अपने देश के एशियेटिक लायन के रिहायशी जंगल 'गिर' में भयंकर आग लग गई है । हालाँकि कोई शेर के मौत की खबर नहीं है पर हमारे लिए तो उनके घरों का नुक़सान भी एक बड़ा नुक़सान है न् । पहले ही हम शेरों की अनेक प्रजातियाँ खो चुके हैं । जी हॉं बच्चों, लायन या शेर /सिंह /नाहर भी कई क़िस्मों के होते हैं और कुछ प्रजातियाँ इनकी भी लुप्त हो चुकी हैं । क्योंकि इनके लुप्त होने की वजहों में से एक हैबिटेट-लॉस भी तो है न्! यूँ तो बच्चों, लायन की एक ही मुख्य प्रजाति मानी जाती है , पैंथ्रा-लिओ , मगर टैक्सोनोमिस्ट्स इन्हें कुछ उपप्रजातियों में विभाजित कर देते हैं। चलिये जानते हैं।

बार्बरी लायन .... इसे एटलस , बर्बर , इजिप्शियन लायन या नार्थ अफ़्रीकन लायन भी कहा जाता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि ये प्रजाति अफ़्रीकी शेर की प्रजाति से भिन्न होती है। तुलनात्मक रूप से बार्बरी शेर आकार में अन्य प्रकार के शेरों की उपप्रजातियों में सबसे विशाल होते थे । लगभग दस से ग्यारह फ़ीट ऊँचे और दो सौ किलो वजन वाले होते थे। मैख़रिब रीजन जो कि मेडिटेरेनियन समुद्र की सीमाओं से लगे हुए नार्थ अफ़्रीका के एटलस पर्वतों, ट्यूनीशिया, मोरोक्को, अल्जीरिया, इजिप्ट इत्यादि इलाक़ों में ये पाये जाते थे जिस कारण इनके ये नाम पडे। पर दुर्भाग्यवश इनडिस्क्रिमिनेटिड हंटिंग ने भी इन्हें जंगलों से ग़ायब कर दिया।

उन्नीसवीं शताब्दी में मोरक्को के शाही परिवार को ये गिफ़्ट के तौर पर भेजा गया था और कहते हैं कि उन्नीस सौ बीस में अंतिम बार्बरी लायन मोरक्को में ही मारा गया था। अब ये सिर्फ़ मोरक्को की कैपिटल रबाट के चिड़ियाघर में ही नज़र आयेंगे। ये तस्वीर बार्बरी लायन की है जो आप देख सकते हैं बच्चों!

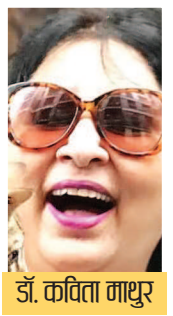

डॉ. कविता माथुर

फाइनेंस ऑफिसर के पास आय से 750% ज्यादा संपत्ति मिली

राजस्थान वित्त निगम के मैनेजर कैलाश बुनकर के मुरलीपुरा स्थित घर पर एसीबी छापे में मिली साढ़े 6 करोड़ की प्रॉपर्टी

जयपुर । राजस्थान वित्त निगम, किशनगढ़(अजमेर) के प्रबंधक कैलाश चंद बुनकर के घर एसीबी की रेड जारी है। इस रेड में अब तक 6.50 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी मिली है। जो बुनकर की आय से 758 प्रतिशत ज्यादा है। साथ में खातों में 64 लाख रुपए की 30 एफडीआर और एलआईसी के पेपर मिले हैं। एसीबी की रेड अभी भी चल रही है। एसीबी के डीजी एल सोनी ने बताया कि एसीबी मुख्यालय द्वारा कैलाश चंद बुनकर के खिलाफ शिकायत वैरीफाई की गई थी। छापे के बाद आय से अधिक संपत्तियां अर्जित करने का मामला दर्ज किया गया। एसीबी की एडिशनल एसपी वंदना भाटी के साथ जयपुर और अजमेर चौकी की टीम ने तीन विभिन्न ठिकानों पर तलाशी ली। कार्रवाई के दौरान बुनकर द्वारा लगभग 6.50 करोड़ से भी अधिक की प्रॉपर्टी मिली।

कई बेनामी संपत्ति मिली

एडीजी एसीबी दिनेश एमएन ने बताया कि बुनकर ने अपनी अवैध आय को जयपुर, सीकर, चौमूं, अलवर, बहरोड़, नीमराना, शाहपुरा, सांभर, फुलेरा, अचरोल में कई आवासीय, व्यावसायिक, औद्योगिक, जमीनों, कृषि भूमि में स्वयं और बेनामी नामों से निवेश किया है। इसके अलावा मुरलीपुरा स्थित आवासीय मकान की तलाशी में लगभग 70 से ज्यादा कागज मिले हैं। इसके अलावा अन्य कई निवेश से संबंधित दस्तावेज भी प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही 15 बैंक खाते में 64 लाख रुपए की 30 एफडी और एलआईसी पॉलिसियों के दस्तावेज भी प्राप्त हुए है। उनकी पत्नी के नाम से चल रहे ज्वेलरी शोरूम में 670 ग्राम सोना और 6.5 किलो चांदी मिली है। साथ ही 5 लाख 30 हजार कीमत की आर्टिफिशियल ज्वेलरी और 12 लाख 32 हजार के ब्रांडेड कपड़े भी बरामद किए गए हैं।

प्रतिष्ठा बनाए रखें

डॉ. माध्वी बोरसे
क्रांतिकारी लेखिका
रावतभाटा-राजस्थान

एक बार की बात है, दूर एक रेगिस्तान में, एक गुलाब था जिसे अपने सुंदरता पर बहुत अभिमान था। उसकी एकमात्र शिकायत थी की एक बदसूरत कैक्टस उसके बगल में बढ़ रही थी।

हर दिन, सुंदर गुलाब कैक्टस का अपमान करता था और उसके अच्छे ना दिखने पर उसका मजाक उड़ाता था, जबकि कैक्टस चुप रहता था। आस-पास के अन्य सभी पौधों ने गुलाब को समझाने की कोशिश की!

एक दिन चिलचिलाती गर्मी में रेगिस्तान सूख गया, और पौधों के लिए पानी नहीं बचा। गुलाब जल्दी मुरझाने लगा। उसकी सुंदर पंखुड़ियाँ सूख गईं, अपना सुंदर सा आकर्षण अब गुलाब खोने लगा ।

कैक्टस की ओर देखते हुए, उसने देखा कि एक गौरैया पानी पीने के लिए अपनी चोंच को कैक्टस में डुबा रही है। अपने पिछले किए गए अपमान पर गुलाब ने कैक्टस से शर्मिंदगी से पूछा और मदद मांगी कि क्या उसे कुछ पानी मिल सकता है। दयालु कैक्टस आसानी से सहमत हो गया, उन दोनों को अत्यंत गर्मी में, दोस्तों के रूप में मदद करने लगा।

जीवन में समय और स्थिति, किसी की भी बदल सकती है, अतः कभी किसी का अपमान ना करें एवं किसी को तुच्छ ना समझे।

जीवन में, सब कुछ खूबसूरत होना नहीं होता, हमें हर प्रकार से ख़ूबसूरत होना चाहिए, हमारे तन के साथ-साथ मन भी आकर्षित होना चाहिए और मन का आकर्षित होना अत्यंत आवश्यक है। जीवन में हर एक की अपनी ख़ूबसूरती है, अगर हम किसी की ख़ूबसूरती को पहचान

ना सके तो कम से कम उसका अपमान ना कीजिए।

जहां काम आवे सुई, कहा करे तरवारि।।

रहीम ने इस दोहे में बताया है कि हमें कभी भी बड़ी वस्तु की चाहत में छोटी वस्तु को फेंकना नहीं चाहिए, क्योंकि जो काम एक सुई कर सकती है वही काम एक तलवार नहीं कर सकती। अतः हर वस्तु का अपना अलग महत्व है। ठीक इसी प्रकार हमें किसी भी इंसान को छोटा नहीं समझना चाहिए।

हर एक का अपना महत्व है, उस महत्व को पहचानिए, सभी का आदर सम्मान कीजिए, अगर ऐसा नहीं कर सकते तो कम से कम अपमान ना कीजिए। इस धरती पे ईश्वर ने सभी को किसी ना किसी कार्य के लिए भेजा है, कहीं ना कहीं सभी ज़रूरी है, अपने कार्यो से सभी की मदद करें और सभी का सम्मान करें, जिससे हमें कभी किसी की मदद की जरूरत पड़ी, तो हमें इस कहानी के, गुलाब की तरह शर्मिंदा ना होना पड़े।

कहते हैं सोच ख़ूबसूरत हो, तो सब ख़ूबसूरत नज़र आता है और देखने वालों की आँखों में सुंदरता होती है तो वह सुंदरता को हमें हमारे अंतर्मन में लाना अत्यंत आवश्यक है। हम किसी का एक क्षण में अपमान कर देते हैं, पर जिसका करते हैं उसे तब तक चैन नहीं मिलता, जब तक वह उस अपमान का कर्ज ना चुका दें।

जीवन में हर एक इंसान, इस कहानी के कैक्टस पौधे की तरह दयालु नहीं होता है, याद रखिए कि जिस समय हम किसी का अपमान कर रहे होते तो साथ ही साथ हम अपना भी सम्मान खो रहे होते हैं!

कुछ लोग ज़रूर सही समय का इंतजार करते हैं, कि कब अपने अपमान का बदला ले सके, क्योंकि यह इंसान को अंदर तक ठेस पहुंचाती है! अपमान करना इंसान के स्वभाव में होता है परंतु सम्मान करना हमारे संस्कार में, जी संस्कारों की सही भाषा हमें जानने की आवश्यकता है और सम्मान करना उन संस्कारों में से एक!

करो प्रशंसा जी भर के,
करो अपमान सोच समझ के,
अपमान वह ऋण है,
ब्याज समेत चुकता है,
गरज-बरस के

30 किलो हाथी दांत के साथ एएसआई गिरफ्तार

नाजुदीन खां, SI, UP पुलिस

जयपुर। जयपुर में वन्य जीवों की तस्करी का बड़ा खुलासा हुआ है। तस्करी का आरोपी नाजुदीन खां हरदौई उत्तर प्रदेश पुलिस में एएसआई है। जो लाइन में पदस्थापित है। जो अपने दो साथियों के साथ बड़ी मात्रा में हाथी दांत, कैश और हथियार लेकर स्कॉर्पियो में घूम रहा था। एसओजी ने सर्च के दौरान आरोपियों को दबोच लिया। एसओजी के एडीजी अशोक राठौड़ ने बताया कि बदमाशों के पास से 35 नग हाथी दांत मिले हैं। इनका वजन 30 किलो है। एक लोडेट रिवाल्वर, 6 जिंदा कारतूस और 1 लाख 50 हजार रुपए बरामद हुई है। ये बदमाश एक काले रंग की स्कॉर्पियों में एमआई रोड, जालूपुरा, पोलोविक्ट्री और गवर्मेंट हॉस्टल के आसपास घूम रही थी। एसओजी को सूचना मिली की कार में तस्करी की जा रही है। इसके हथियार,हाथी दांत, शेर, बघेरे की खाल हैं। ये लोग उसे बेचने के लिए घूम रहे हैं। सूचना पर एसओजी की एक टीम तुरंत एक्टिव की गई। बदमाशों को तलाशी के लिए रोका गया। कार में यूपी निवासी नाजुदीन खां को पकड़ा गया। उत्तर प्रदेश पुलिस में उप निरीक्षक के पद पर पुलिस लाइन में पदस्थापित है। उसके साथ नादीर अली उर्फ शाहरुख खां और गुलाम खां को गिरफ्तार किया। फिलहाल एसओजी आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है।

रिंपा के तबले में साधना की छाप

खूब बहा तिरकिट-धिरधिर का रेला

विख्यात तबला गुरु पंडित ठाकुर किशन सिंह की स्मृति में हुआ आयोजन

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय तबला वादक रिंपा शिवा एवं विख्यात गायक पं. आलोक भट्ट ने रविवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब सभागार में अपनी रोचक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम संयोजक राहुल गौतम ने बताया कि तबला गुरु पंडित ठाकुर किशन सिंह की स्मृति में आयोजित 'संगीत संचार' कार्यक्रम में कोलकाता की रिंपा शिवा का सोलो तबला वादन हुआ। जिसमें रिम्पा ने अपने गुरु के सबक को साकार करते हुए तैयारी पक्ष और विलक्षण उपज से संगीतप्रेमियों को रूबरू कराया। तिरकिट और धिरधिर के रेले ने ताल का सुनहरा इंद्रधनुष खींचा। लय की विविध जातियों और फरुखाबाद घराने की तासीर को जीवंत किया। रिंपा के साथ हारमोनियम पर पंडित मुन्नालाल भाट ने संगत की। रिंपा शिवा को इस वर्ष का 20 वां तबला गुरु ठाकुर किशन सिंह स्मृति अवार्ड प्रदान किया गया।वहीं राजस्थान के वरिष्ठ कलाकार पंडित आलोक भट्ट ने फागुन की रचनाओं की प्रस्तुति से शानदार आगाज किया। उन्होंने ओ जी म्हारे आज रंगीलो फ़ाग, होली खेले रे गजानन, भनक सुन आई री आज मैं तो होली की, रंग डालूंगी वाही पे जाने तोड़्यो है धनुष और बृज के रसिया रंग में रंग दई, बांह पकड़ लई सरीखी फ़ाग की परम्परागत रचनाएं पेश कर सभी को होली के रंगों से अभिभूत कर दिया। आलोक भट्ट के साथ पखावज पर पं. प्रवीण आर्य सितार पर पं. हरिहर शरण भट्ट वायलिन पर गुलजार हुसैन एवं तबले पर अकबर हुसैन ने संगत की। इस अवसर पर संगीत की महान विभूतियों को संचार जगत द्वारा 'गौरव रत्न' सम्मान से नवाजा गया। संगीत नाटक अकादमी के पूर्व अध्यक्ष अशोक पांड्या और शिक्षाविद एल.सी.भारतीय मौजूद थे।

फाग के गीतों ने बिखेरे होली के रंग

हिलव्यू समाचार

जयपुर। संस्था कला मंदिर ने हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान, जयपुर के प्रांगण में फाग-उत्सव व महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया जिसमें आये कलाकारों ने फाग के गीतों से सुरमई समा बांध दिया। संस्था की अध्यक्ष शोभा सक्सेना ने बताया कि इस अवसर पर संस्था ने विभिन्न क्षेत्रों की वरिष्ठ विदुषी महिलाओं को सम्मानित भी किया जिनमें उषा श्री, डॉ अल्का राव, लक्ष्मी अशोक, पूर्णिमा कॉल, डॉ अमला बत्रा, रुचि भार्गव, रेशमा खान, सीमा हिंगोनिया, नीलम शर्मा, मीनू भसीन, वीना चौहान के नाम शामिल हैं।

संस्था की महासचिव मीनाक्षी माथुर ने कहा कि संस्था के उद्देश्यों के अनुरूप इसबार भी ग्रामीण क्षेत्र से दिव्यांग लोक गायक को प्रस्तुति के लिए आमंत्रित कर सम्मानित किया गया और राजस्थान की फाग संस्कृति को दर्शाने का प्रयास किया गया जिसमें पूनम माथुर, कालूराम बंजारा, निशा राजे ने अपनी प्रस्तुतियाँ दी।

रंग मत डाले रे, नैना नीचे कर ले, क़ानूडो रंग डाल गयो जैसे पारंपरिक लोक गीतों के साथ राधा कृष्ण पर आधारित भजनो व गीतों का सभी ने आनंद उठाया और जमकर झूमे।

उर्वशी चौधरी ने बहुत कुशलता के साथ मंच संचालन की जिम्मेदारी को संभाला। आयोजन में चिरमी और रामजी सपेरा के समूह ने भी ढोल के साथ कालबेलिया नृत्य प्रस्तुत किया साथ वहां उपस्थित महिलाओं ने भी फाग के गीत गाये और नृत्य किया।

इस अवसर हिंदी प्रचार प्रसार संस्था के अध्यक्ष डॉ. अखिल शुक्ला, अविनाश शर्मा, अरुण किम्मतकर भी उपस्थित रहे। संस्थान के द्वारा भी महिलाओं को सम्मानित किया गया।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

08

जयपुर >> सोमवार, 21 मार्च, 2022

लोकतंत्र के मज़बूत स्तम्भ मीडियाकर्मीओं एवं समाजसेविओं का किया सम्मान

वरिष्ठ पत्रकार वसीम अकरम कुरैशी का सम्मान

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। शहीद राजा हसन खां मेवाती फाउण्डेशन द्वारा उनके 495वीं शहादत दिवस के मौके पर प्रदेशभर में फाउण्डेशन द्वारा दुआ-ए-मगफिरत व उनकी जीवनी को लेकर कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी कड़ी में फाउण्डेशन द्वारा जयपुर शहर के एक निजी होटल में भारतीय इतिहास में उनके योगदान व खानवां के युद्ध में उनकी भूमिका को लेकर विशेष चर्चा की गई। शहीद राजा हसन खां मेवाती फाउण्डेशन के अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने कहा कि राजा हसन खां मेवाती ने देशहित में राणा सांगा के साथ मिलकर अपने 12 हजार सैनिकों के साथ बाबर के खिलाफ खानवां के मैदान में युद्ध किया था, जिसमें 15 मार्च, 1527 को उन्हें शहादत मिली थी।

इस अवसर पर उनके जीवन पर आधारित एक विवरणिका का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया एवं मीडियाकर्मीओं और समाजसेवीओं का भी फाउण्डेशन के द्वारा सम्मान किया गया।

इस मौके पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह ने कहा कि अल्पसंख्यक समाज को इस तरह के कार्यक्रम करते रहना चाहिए, जिससे शहीदों की कुर्बानियों को याद किया जा सकें, फाउण्डेशन का यह कदम सराहनीय है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने पत्र द्वारा संदेश भेजकर राजा हसन खां मेवाती के 495वीं शहादत दिवस पर खिराजे-ए-अकीदत पेश की व फाउण्डेशन को उनके द्वारा किये गये कार्यक्रम को लेकर सराहना की।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी पत्र द्वारा संदेश भेजकर फाउण्डेशन द्वारा किये गये कार्यक्रम के सफलता की कामना की और राजा हसन खां मेवाती की शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व कैबिनेट मंत्री चन्द्रराज सिंघवी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि फाउण्डेशन द्वारा इस से पूरे प्रदेश में एक संदेश जायेगा कि देश एवं प्रदेश में अल्पसंख्यक समाज को बराबरी का दर्जा दिया जाता है। अल्पसंख्यक समाज अपने-आपको मुख्यधारा से अलग ना समझे।

अजमेर दरगाह कमेटी चैयरमैन अमीन पठान ने कहा कि शहीद राजा हसन खां मेवाती के इतिहास को भूलाया नहीं जा सकता और राज्य सरकार को उनके इतिहास को सरकारी पाठ्य पुस्तकों में शामिल किया जाना चाहिए।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक खान ने कहा कि राजा हसन खां मेवाती जैसे शहीदों के सम्मान में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहे। उन्होंने कहा कि राजा हसन खां मेवाती का पेनोरमा गत भाजपा सरकार द्वारा ही लगाया गया था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान मेव महासभा संस्था के प्रदेश अध्यक्ष अरशद खान ने की और आये हुए सभी अतिथिओं का उनके द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

पूर्व विधायक अब्दुल सगीर खान, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां, भाजपा एसटी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष जितेन्द्र मीणा, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य डॉ. मजीद मलिक कमाण्डो, पूर्व हज कमेटी चैयरमैन फिरोज खान, ऑल इंडिया मेव महासभा अध्यक्ष खुर्शीद अहमद, युवा ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष सुनील मुद्गल, भाजपा एस.सी. मोर्चा प्रदेश महामंत्री मुकेश गर्ग, भाजपा महिला मोर्चा जयपुर शहर अध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी, जब्बार खान सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

राजेन्द्र राठौड़ बोलेः 'द कश्मीर फाइल्स' टैक्स फ्री करे गहलोत सरकार

राजस्थान में भी रहते हैं कश्मीरी पंडित, पलायन की दर्दनाक तस्वीर दिखाती है फिल्म

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राजस्थान में बीजेपी ने फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को टैक्स करने की मांग प्रदेश की गहलोत सरकार से की है। राजस्थान की कांग्रेस सरकार से बीजेपी के वरिष्ठ नेता और विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा है कि स्वतंत्र भारत में 1990 में जम्मू कश्मीर से कश्मीरी पंडितों के पलायन की दर्दनाक तस्वीर को यह फिल्म दिखाती है। इस फिल्म को हरियाणा, मध्य प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक जैसे कई राज्यों ने टैक्स फ्री कर दिया है। राजस्थान में भी पलायन के बाद आकर बसे कई कश्मीरी पंडित रह रहे हैं। इस फिल्म को देखने के लिए राजस्थान सरकार भी इसे टैक्स फ्री करें।

बीजेपी ने फिल्म को टैक्स फ्री करने की मुहिम चलाई: माना जा रहा है कि बीजेपी लम्बे समय से कश्मीरी पंडितों का मुद्दा चुनावों में भी उठाती रही है, ऐसे में यह फिल्म बीजेपी को पॉलिटिकल माइलेज भी देती है। बीजेपी नेताओं के आरोपों को इस फिल्म से मजबूती मिलती है। इसलिए बीजेपी इस बात पर जोर दे रही है कि ज्यादा से ज्यादा लोग फिल्म को देखें। इसलिए इसे टैक्स फ्री करने की मुहिम चलाई गई है। सियासी गलियारों में चर्चा है कि पार्टी आलकमान के निर्देश के बाद तमाम बीजेपी शासित राज्यों में यह फिल्म टैक्स फ्री कर दी जाएगी।

कर्नाटक, हरियाणा, गुजरात, मध्यप्रदेश में टैक्स फ्रीः डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' 11 मार्च को रिलीज हुई है। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा रेस्पॉन्स मिल रहा है। भावुक कर देने वाली इस फिल्म को कर्नाटक सरकार ने भी टैक्स फ्री कर दिया है।

इससे पहले हरियाणा, गुजरात और मध्यप्रदेश सरकार फिल्म को टैक्स फ्री घोषणा कर चुके हैं। कर्नाटक के छ्टरू बसवराज बोम्मई ने ट्वीट किया है कि विवेक अग्निहोत्री ने फिल्म में बहुत ही भयावह और मार्मिक दृश्यों को दिखाया है, इसलिए वह तारीफ के काबिल हैं। 90 के दशक से कश्मीरी पंडितों को उनके घर से निकाल दिया गया था।

कोयला-बिजली संकट

केन्द्र से 24 मिलियन मैट्रिक टन कोयला मिलेगा

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। कोयले की कमी के कारण बिजली किल्लत का सामना कर रहे राजस्थान को केन्द्रीय एनर्जी मिनिस्ट्री ने कोयला उपलब्ध कराने की सिफारिश कर दी है। इससे राजस्थान के थर्मल बिजलीघरों को कोल लिंकेज पॉलिसी के तहत अगले 1 साल के लिए कोयला मिलने का रास्ता साफ हो गया है। राजस्थान सरकार की डिमांड को मानते हुए एनर्जी मिनिस्ट्री ने कोल मंत्रालय को 24.4 मिलियन मैट्रिक टन कोयला राजस्थान को एडिशनल मुहैया कराने की सिफारिश की है। अक्टूबर-नवम्बर 2021 में ही राजस्थान की माइंस को केन्द्र सरकार से पर्यावरण और अन्य स्वीकृति मिल चुकी हैं। करीब 4 महीने बीतने के बाद भी छत्तीसगढ़ सरकार ने राजस्थान को माइनिंग की परमिशन नहीं दी है। इसलिए राजस्थान सरकार की मांग और भारी कोयला संकट के चलते वैकल्पिक व्यवस्था के तहत केन्द्र की मोदी सरकार ने मदद की है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खुद दो बार छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से मंजूरी का आग्रह कर चुके और पत्र भी लिख चुके हैं। सोनिया गांधी से भी हस्तक्षेप करने की मांग की गई। फिर भी छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने फाइल आगे नहीं बढ़ाई। मंत्री भंवर सिंह भाटी ने केन्द्र सरकार की एनर्जी मिनिस्ट्री की सिफारिश को बड़ी कामयाबी और प्रदेश के लिए राहत भरी खबर बताया है। उन्होंने कहा इससे प्रदेश के प्रभावित थर्मल बिजलीघरों में बिजली प्रोडक्शन लगातार जारी रह सकेगा।

राजस्थान के एनर्जी डिपार्टमेंट के एसीएस डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पिछले दिनों हाई लेवल बैठक में केन्द्र और छत्तीसगढ़ सरकार से कॉर्डिनेशन बनाकर कोयला संकट का सॉल्यूशन निकालने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद मंत्री भंवर सिंह भाटी के साथ एसीएस एनर्जी अग्रवाल ने दिल्ली में केन्द्रीय मंत्री और सेक्रेट्री से चर्चा कर राजस्थान का पक्ष रखा। इसी का रिजल्ट है कि केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने कोल मंत्रालय को 24.4 मिलियन मैट्रिक टन कोयला हर साल राजस्थान को देने की सिफारिश कर दी है। अब कोयला मंत्रालय की आगामी बैठक में राजस्थान को अतिरिक्त कोयला आवंटित कर दिया जाएगा।

बीआरटीएस कॉरिडोर

जो फायदा आमजन को इससे मिलना चाहिए था वो नहीं मिला

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जयपुर शहर में बना बीआरटीएस कॉरिडोर भले ही जनता के किसी काम नहीं आ रहा हो। जिस उदेश्य के लिए और जो फायदा आमजन को इस कॉरिडोर से मिलना चाहिए था वो नहीं मिल रहा, फिर भी कॉरिडोर नहीं हटाया जाएगा। ये बात मंगलवार को नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने विधानसभा में एक सवाल के जवाब में कही। इसके पीछे कारण उन्होंने केन्द्र सरकार की शर्त को बताया।

धारीवाल ने विधायक सुभाष पूनिया की ओर से लगाए एक प्रश्न के जवाब में कहा कि साल 2007 में जब केन्द्र सरकार के शहरी विकास मंत्रालय ने इस परियोजना की कल्पना की थी तब इसे बहुत उपयोगी माना था। जयपुर में 4 पैकेज में इस प्रोजेक्ट के तहत कॉरिडोर विकसित करने थे। राज्य सरकार ने साल 2007 में जब इसका काम शुरू किया और तब से अब तक केवल 2 ही कॉरिडोर बनाए है एक

सीकर रोड और दूसरा अजमेर रोड से न्यू सांगानेर रोड मानसरोवर। हमने दो कॉरिडोर बनाने के बाद शेष 2 अन्य कॉरिडोर पर काम करने से मना कर दिया था, क्योंकि इस प्रोजेक्ट का जो फायदा जनता को मिलना था वह नहीं मिल पा रहा था। यह पूरी तरह अनुपयोगी साबित हुए। उन्होंने बताया कि उस समय जब ये प्रोजेक्ट शुरू हुआ था तब इसमें 50 फीसदी राशि केन्द्र सरकार, 20 फीसदी राज्य सरकार और 30 फीसदी जेडीए ने लगाई थी।

शेष 2 पैकेज के पैसों से बनवाए एलीवेटेड रोडः धारीवाल ने बताया कि जो फायदा बीआरटीएस का मिलना चाहिए था वो नहीं मिला। 4 पैकेज में काम करना था, लेकिन हमने 2 पैकेज में ही काम किया। शेष 2 पैकेज के पैसों से कॉरिडोर बनाने के बजाए हमने अजमेर रोड और टोंक रोड दुर्गापुरा पर एलीवेटेड रोड का निर्माण करवाया, जो उपयोगी निकला।

इसलिए नहीं हटा सकते कॉरिडोरः धारीवाल ने कॉरिडोर को हटाने के सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि हमने जो 2 पैकेज बनाए उन्हें जब हटाने की सिफारिश केन्द्र सरकार को की भी थी, लेकिन उन्होंने शर्त रखी की अगर आप ये प्रोजेक्ट हटाते हो तो आपको पूरे प्रोजेक्ट की राशि मय ब्याज के साथ चुकानी होगी। यही नहीं केन्द्र सरकार ने कहा गया कि भविष्य में केन्द्र की अन्य योजनाओं में भी आपको फंड लेने में परेशानी आ सकती है। इस शर्त को देखते हुए हमने बीआरटीएस कॉरिडोर को नहीं हटाया।

12 से 14 साल के बच्चों का वैक्सीनेशन प्रोग्राम शुरू

जयपुर। नेशनल वैक्सीनेशन डे के मौके पर आज जयपुर समेत प्रदेश के सभी शहरों में 12 से 14 साल की एजग्रुप के बच्चों को कोरोना की वैक्सीन लगाने का प्रोग्राम शुरू किया है। जयपुर के आदर्श नगर स्थित हेल्थ सेंटर के अलावा जेके लोन, कार्वटिया हॉस्पिटल समेत करीब एक दर्जन सेंटर्स पर आज इन एजग्रुप के बच्चों को वैक्सीन लगाई जा रही है। होली के बाद वैक्सीन सेंटर्स की संख्या बढ़ाई जाएगी। करीब 2 साल के इंतजार के बाद आज वैक्सीन लगवाने पहुंचे बच्चों में टीका लगवाने को लेकर क्रेज देखने को मिला। जयपुर सीएमएचओ डॉ. नरोत्तम शर्मा की मॉनिटरिंग में आदर्श नगर में वैक्सीनेशन प्रोग्राम जयपुर में शुरू हुआ। आदर्श नगर स्थित सेंटर पर सुबह छोटे बच्चे अपने माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ वैक्सीन लगवाने पहुंचे। ज्यादातर बच्चों ने ऑनस्पॉट ही रजिस्ट्रेशन करवाया और वैक्सीन की डोज लगवाई। इस दौरान सीएमएचओ ने कहा कि जयपुर में हमे 3 लाख बच्चों को वैक्सीन लगानी है और कल हमें 2 लाख डोज मिल गई। अभी तो हेल्थ सेंटर्स पर वैक्सीन लगाई जा रही है, आगे जरूरत लगी और स्कूल खुले रहे तो वहां भी विशेष कैंप लगाकर बच्चों को वैक्सीनेट किया जाएगा।

रंग रंगीलो फागण आयो, चहूँ दिस गहरो आनंद छायो

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। नेट-थियेट कार्यक्रमों की 87वी श्रृंखला में आज फागुन की बसंती बयार पूरे माहौल में मस्ती भर देती है और ग्रामवासी इस मस्ती का पूरा आनंद लेते हैं। होली का रंग जनमानस पर ऐसा जमता है कि लोग मदमस्त होकर नाचतें- गाते हैं। नेट-थियेट के श्री राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि श्रीमती सुषमा पारीक और डॉक्टर प्रतिष्ठा पारीक ने जब सजनी कैसी खेली जाये अनोखी होली गीत गाकर रसिया को रिझाया, वही पूजा सोनी, प्रिया जैन और नीतिका जोशी ने अपने लुभावने नृत्य के जरिए इस फागुनी फुहार में रंग भरे। पारंपरिक गणेश वंदना के बाद होली के गीतों की बरसात शुरू हुई और सुषमा पारीक और डॉक्टर प्रतिष्ठा पारीक ने कानूडो रंग डाल गयो मैं क्या करूं, महीनो फागण को आयो जैसी धमाल गाकर नेट-थियेट पर आनंद ले रहे दर्शकों को खूब रिझाया। उन्होंने राधा कृष्ण और सखियों के साथ होली भी सुनाई रंग मत डालो रे सांवरिया मारो गुजर मारे रे, तथा और रंग रंगीलो फागण आयो और आनंद छायो रे गाकर होली के रंग बिखेरे। कलाकारों ने जब फागुण के गीत गाये तो राधाकृष्ण ने फुलों की होली से चहूं होली की मस्ती को बिखेरा। होली के इन गीतों पर घनश्याम प्रजापति ने हारमोनियम, गुलाम फरीद ने तबला तथा इमरान खान ने ढोलक पर तथा अब्दुल हक ने कीबोर्ड पर ऐसा समां बांधा लोग होली की मस्ती में झूम उठे। कार्यक्रम का संचालन आर.डी.अग्रवाल ने किया

विप्र बंधुओं को किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा गठित विप्र कल्याण बोर्ड के गठन से विप्र समाज मे उत्साह की लहर है। राजस्थान सरकार की इस पहल और साधुवाद को बढ़ावा देने के लिए सर्व ब्राह्मण महासभा राष्ट्रीय स्तर एवं इंटरनेशनल स्कूल ऑफ एस्ट्रोलॉजी एंड डिवाइन साइंसेज, मैत्रेय संस्थान, पूनम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में एक होटल में 'श्री शक्ति सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सालासर धाम के महंत मिठ्ठु पुजारी, हाथोज धाम के महंत महाराज बलमुकुन्दाचार्य, आचार्य अनुपम जौली, हिमानी 'अज्ञानी' शास्त्री, आचार्य शुभेश शर्मा ने विप्र कल्याण बोर्ड के नवनिर्वाचित एवं प्रथम अध्यक्ष एवं केबिनेट मंत्री महेश शर्मा, खादी बोर्ड के अध्यक्ष एवं केबिनेट मंत्री ब्रज किशोर शर्मा एवं विप्र कल्याण बोर्ड की उपाध्यक्ष मंजू शर्मा एवं प्रतिभा शर्मा को सम्मानित किया। सर्व ब्राह्मण महासभा, राष्ट्रीय स्तर की प्रदेश प्रभारी हिमानी ने बताया कि कार्यक्रम में उन सभी विप्र बंधुओं का सम्मान किया गया जो समाज हित मे श्रेष्ठ कार्य कर रहे हैं। साथ ही, संस्था के सभी छात्रों ने जिन्होंने संस्था में गत वर्ष में अपना कोर्स पूरा किया, उन्हें भी सम्मानित किया गया। हिमानी ने बताया कि विप्र समाज के कल्याण के लिए चहुं दिशा से काम करने की आवश्यकता हैं, उनके जीवन को सुधार के लिए समाज और सरकार को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। ऐसा पहली बार हुआ है कि राज्य में किसी सरकार ने विप्र समाज की सुध ली और उनके कल्याण के लिए कदम उठाया।

स्वर कोकिला सीमा मिश्रा के गाये गीतों पर जमकर झूमे जनप्रतिनिधि व उद्योगपति

देर तक जमा फागोत्सव रंग रसिया

जयपुर। यहां विधाधर नगर स्टेडियम में आयोजित फागोत्सव रंग रसिया-3 देर तक जमा। शेखावाटी की स्वर कोकिला सीमा मिश्रा द्वारा गाए गीतों व चंग थाप घूंघरु की झनकार एवं बांसुरी की सुरीली आवाज पर जनप्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी बुद्धिजीवी समारोह में शामिल हजारों दर्शक जमकर झूमे ।

विद्याधर नगर स्टेडियम विकास समिति जयपुर की ओर से आयोजित रंग रसिया में शेखावाटी की स्वर कोकिला सीमा मिश्रा ने म्हारे छैल भंवर रो कागसियो ....,नखरालो दैवरियो भाभी पर ....., चाल गोरी आपा चाला जैपरिय शहर में तन गलता जी को नाहण करवा ये फागण.....गीगा सोज्या मेरा लाल तेर बाप न राजी कर दूं ..... कुएं पर एकेली..... बाड तल कर बाई रै तम्बाकू..... बाई सा रा बिरा जयपर जा ज्यो जी आता तो ल्याज्यो तारा री चूनडी..... चांद चढयो गिगनार ढल आई आंधी रात..... जैसे गीतों पर व राजा बल क दरबार मची र होली ....जैसी

धमाल पर जमकर थिरके श्रोता। इस अवसर पर सालासर के मनोहर पुजारी ने भी अपनी शानदार प्रस्तुति दी ।

हाथोज धाम के पीठाधीश्वर बालमुकुंदाचार्य की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में राजस्थान सरकार के खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के चैयरमेन बृजकिशोर शर्मा, राजस्थान पर्यटन विकास निगम के चैयरमेन धर्मेंद्र सिंह राठौड़, महापौर सौम्या गुर्जर, विप्र कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश शर्मा उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू शर्मा, राजस्थान युवा बोर्ड के उपाध्यक्ष सुशील पारीक एआईसीसी के सदस्य राजेश चौधरी, पीसीसी के कोषाध्यक्ष व विद्याधरनगर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी व रीको निदेशक सीताराम अग्रवाल, भाजपा प्रदेश मंत्री अरूण अरुण अग्रवाल प्रदेश कांग्रेस महामंत्री गिरीराज गर्ग, शेखावाटी अस्पताल के प्रभारी डा. सर्वेश जोशी, भैरव ग्रूप के आलोक अग्रवाल, दैनिक भैरव ज्योति के सम्पादक मनोज अग्रवाल मंचस्थ अतिथि थे। प्रारंभ में अतिथियों ने भगवान गणपति की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्जविलत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समिति के सचिव एडवोकेट अनिल संत, सतीश शास्त्री, संदीप पुनिया, एडवोकेट डॉ सुनील शर्मा, एडवोकेट पंकज पंचलग्या, एडवोकेट प्रमोद सिंह शेखावत, एडवोकेट पवन शर्मा ,योगेश शर्मा पत्रकार, बजरंग लाल, शशि गुप्ता, राजेन्द्र सिंह राठौड़, बिजेंद्र सिंह टीलू बन्ना , पार्षद महेश अग्रवाल मुकेश संत, शैलेश

पंडित, टिक्कू बन्ना आदि ने आगन्तुक अतिथियों का दुपट्टा साफा व प्रतिक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन मनोज पारीक व पत्रकार बाबूलाल सैनी ने किया। समिति के सचिव एडवोकेट अनिल संत ने आगन्तुकों का आभार जताया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **रिज़वान एजाज़ी के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं महिमा क्लासिक 601, बी-84, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, सह-संपादकः हरीश श्रीवास्तव (छबड़ा बारां) फोन : 0141-2620340 मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**